सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
YouTube
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 68, नई दिल्ली, गुरुवार, 05 जनवरी 2023, पेज 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

● 03 पेरिस के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट की कराई गई इमरजेंसी
● 05 देश की सबसे सुरक्षित डीजल कारों की लिस्ट
● 08 जन गणमनः पॉपुलेशन कंट्रोल बिल भारत के लिए क्यों जरूरी हो चला है?

आज का सुविचार

"बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, सबसे आगे सोचो, विचारों पर किसी का भी एकाधिकार नहीं है।

यमुना नदी पर तीन पुल : हरियाणा-यूपी की दूरी होगी कम, 20 मिनट में पहुंचेंगे स्मार्ट सिटी से नोएडा

यमुना नदी पर बनने वाले अलग-अलग प्रोजेक्ट के तीन पुल दो प्रदेशों (हरियाणा और यूपी) की दूरियों को कम करेंगे। इससे जहां स्मार्ट सिटी के विकास को रफ्तार मिलेगी।

संजय बाटला

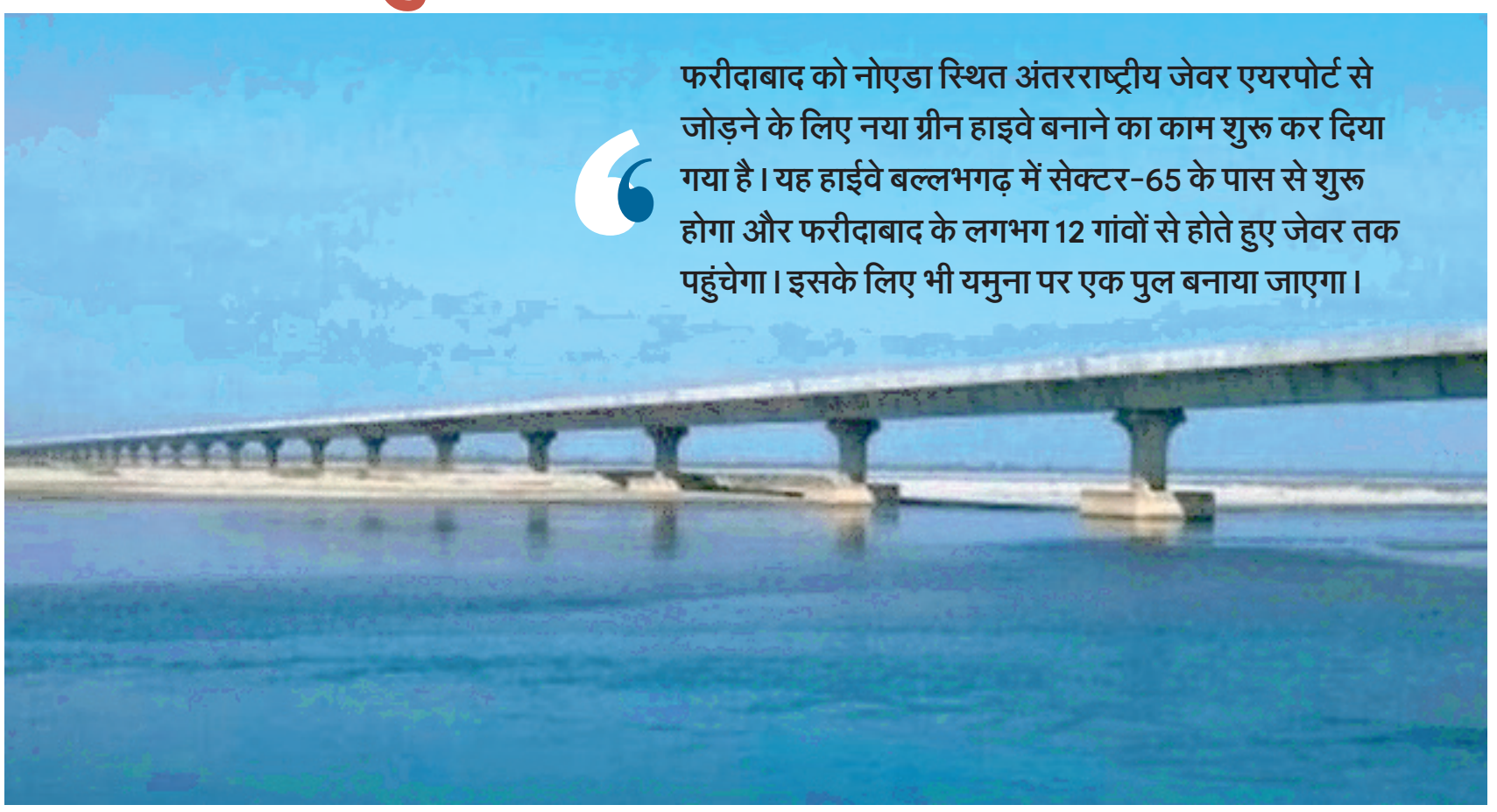

फरीदाबाद को नोएडा स्थित अंतरराष्ट्रीय जेवर एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए नया ग्रीन हाइवे बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। यह हाईवे बल्लभगढ़ में सेक्टर-65 के पास से शुरू होगा और फरीदाबाद के लगभग 12 गांवों से होते हुए जेवर तक पहुंचेगा। इसके लिए भी यमुना पर एक पुल बनाया जाएगा।

फरीदाबाद। फरीदाबाद और नोएडा के बीच विकास में सबसे बड़ी रुकावट यमुना नदी बनी हुई है। यमुना नदी पर अभी केवल कालिंदी कुंज पर एक पुल बना हुआ है। शहर से रोजाना हजारों की संख्या में नौकरी पेशा लोगों का नोएडा-ग्रेटर नोएडा जाना होता है। यमुना नदी पर कोई दूसरा पुल नहीं होने के कारण लोगों को कालिंदी कुंज, दिल्ली के रास्ते जाना पड़ता है। यमुना नदी पर बनने वाले अलग-अलग प्रोजेक्ट के तीन पुल दो प्रदेशों (हरियाणा और यूपी) की दूरियों को कम करेंगे। इससे जहां स्मार्ट सिटी के विकास को रफ्तार मिलेगी। वहीं 20 मिनट में लोग फरीदाबाद से नोएडा पहुंच सकेंगे। इसके लिए मंझावली पुल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में चल रहा है।

फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी) के लिए गांव लालपुर के पास यमुना पर पुल बनाने का काम भी जल्द शुरू कर दिया जाएगा। इसके अलावा बल्लभगढ़-नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को जोड़ने के लिए भी यमुना पर पुल बनाने की तैयारी है। इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया गया है।

फरीदाबाद और नोएडा के बीच विकास में सबसे बड़ी रुकावट यमुना नदी बनी हुई है। यमुना नदी पर अभी केवल कालिंदी कुंज पर एक पुल बना हुआ है। शहर से रोजाना हजारों की संख्या में नौकरी पेशा लोगों का नोएडा-ग्रेटर नोएडा जाना होता है। यमुना नदी पर कोई दूसरा पुल नहीं होने के कारण लोगों को कालिंदी कुंज, दिल्ली के रास्ते जाना पड़ता है। मंझावली पुल के तैयार हो जाने से यह रास्ता बहुत छोटा हो जाएगा। लोक निर्माण विभाग अधिकारियों का दावा है कि मार्च में लोगों की आवाजाही के लिए लिए पुल खोल दिया जाएगा।

इसके साथ ही फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी) की कनेक्टिविटी पर काम शुरू होने जा रहा है। इस योजना के तहत यमुना नदी पर पुल बनाया जाएगा, जिससे इन तीनों शहरों की दूरी एक-दूसरे से बहुत कम हो जाएगी। पुल के लिए लालपुर में जमीन चिन्हित की गई है। सरकार की मंजूरी मिलने के बाद पुल निर्माण का काम शुरू हो जाएगा। इसके लिए 90 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जाएगी, जो पुल को सेक्टर-92 के बाहरी रोड से जोड़ेगी। यह सड़क रिवाजपुर, शेरपुर खादर, लालपुर, किड़ावली गांव के पास से होकर सेक्टर-92 तक जाएगी।

ग्रीन हाईवे का निर्माण शुरू

फरीदाबाद को नोएडा स्थित अंतरराष्ट्रीय जेवर एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए नया ग्रीन हाइवे बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। यह हाईवे बल्लभगढ़ में सेक्टर-65 के पास से शुरू होगा और फरीदाबाद के लगभग 12 गांवों से होते हुए जेवर तक पहुंचेगा। इसके लिए भी यमुना पर एक पुल बनाया जाएगा।

इनसाइड

भारत में चलेगी हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन, जानें कब और किस रूट पर दौड़ेगी और क्या है खूबियां

नईदिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को एलान किया कि भारत में साल के आखिर तक अपनी कुछ पर्यटक सेवाओं पर Hydrogen fuel cells (हाइड्रोजन फ्यूल सेल) पर चलने वाली ट्रेनों को चालू कर देगा। इसके साथ ही मंत्री जी ने आठ हेरिटेज रूट सेवाओं के नामों का एलान भी किया। परिवहन क्षेत्र में एक क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी (स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी) के रूप में हाइड्रोजन फ्यूल सेल्स की तेजी से अपनाया जा रहा है। कई देशों ने पहले से ही इस सर्विस को चलाना शुरू कर दिया है जो पानी के अलावा कोई उत्सर्जन नहीं छोड़ते हैं। वैष्णव ने कहा, 'हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज' के तहत पहली ट्रेन दिसंबर 2023 से परिचालन शुरू करेगी, जिसका अर्थ है कि हेरिटेज रूट की ट्रेनें ग्रीन हो जाएंगी।ह इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लोकोमोटिव अभी भी अपनी विरासत को बचाए रखने के लिए भाप इंजन के रूप को बरकरार रखेंगे।

11 राज्य और UT नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम से जुड़े, व्हीकल स्क्रैपिंग के लिए है यह योजना

एनटीवी संवाददाता

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने बुधवार को कहा कि 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को Voluntary Vehicle-Fleet Modernization Program (V-VMP), स्वैच्छिक वाहन-बेड़ा आधुनिकीकरण कार्यक्रम (वी-वीएमपी) के लिए नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम (NSWS) में शामिल किया गया है ताकि वाहन स्क्रैपिंग इको सिस्टम में निजी निवेश को आकर्षित किया जा सके।

मंत्रालय ने एक बयान में आगे कहा, 14 नवंबर, 2022 तक, 117 निवेशकों के आवेदन जिन्होंने पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाएं (RVSF) के लिए रुचि दिखाई है, प्रक्रिया के अधीन हैं, जिनमें से 36 आवेदनों को संबंधित राज्य सरकारों द्वारा अनुमोदित किया गया है।

बयान में कहा गया है कि गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम, गोवा, उत्तराखंड और चंडीगढ़ को V-VMP के लिए NSWS में शामिल किया गया है।

व्हीकल स्क्रैपेज पॉलिसी (V-VMP) 1 अप्रैल, 2022 से लागू हो गई है।

केंद्रीय बजट 2021-22 में घोषित इस नीति में निजी वाहनों के लिए 20 साल बाद फिटनेस टेस्ट का प्रावधान है। जबकि वाणिज्यिक वाहनों के लिए 15 साल पूरे होने के बाद इसकी जरूरत होगी। इसके अलावा, 11 राज्यों में 84 ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (ATS) आवश्यक निविदा करके रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (RFP), प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) के जरिए राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकार के नियंत्रण में प्रस्तावित हैं।

V-VMP नीति की मुख्य विशेषताओं को बढ़ावा देने, निजी निवेश आकर्षित करने के लिए 16 राज्यों में निवेशक शिखर सम्मेलन आयोजित किए गए हैं।

Vahan पोर्टल पर वाहन पंजीकरण डाटा के आधार पर अनुमानों के अनुसार, पूरे भारत में अगले 2 वर्षों में 40-45 RVSF और आने वाले 5 वर्षों में 60-70 RVSF लगाने की जरूरत है।

इसी तरह, पूरे भारत में अगले 2 वर्षों में 130-150 एटीएस और आने वाले 5 वर्षों में 450-500 एटीएस की आवश्यकता है।

नई नीति के तहत, केंद्र ने कहा था कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) पुराने वाहनों को स्क्रैप करने के बाद खरीदे जाने वाले वाहनों के लिए रोड टैक्स पर 25 प्रतिशत तक कर छूट प्रदान करेंगे।

माघ मेले के लिए वाराणसी परिक्षेत्र से चलेंगी 170 अतिरिक्त बसें, रेलवे ने भी किए खास इंतजाम

एनटीवी संवाददाता

वाराणसी। प्रयागराज में माघ मेले की शुरुआत 6 जनवरी से होने जा रही है। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए वाराणसी परिक्षेत्र से झूंसी के लिए 170 अतिरिक्त बसों का संचालन होगा।

प्रयागराज में माघ मेला में स्नान करने वालों की भीड़ को देखते हुए रेलवे और परिवहन निगम ने विशेष व्यवस्था की है। पांच जनवरी से वाराणसी परिक्षेत्र से 170 अतिरिक्त बसें और एक ट्रेन का संचालन शुरू होगा। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति को देखते हुए बड़ी संख्या में लोग संगम स्नान करने जाएंगे। इसे देखते हुए परिवहन निगम ने तीन चरणों में बसों का संचालन कराने का निर्णय लिया है। पहले चरण में 170 बसों का संचालन पांच से 17 जनवरी तक होगा। इसके लिए कैंट डिपो की 45, काशी डिपो की 27, ग्रामीण डिपो की 20, चंदौली डिपो की 10, जौनपुर डिपो की 43, गाजीपुर डिपो की 17, सोनभद्र डिपो की तीन और विंध्यनगर डिपो की पांच बसें लगाई गईं हैं, जो वाराणसी परिक्षेत्र के नौ स्थानों से चलाई जाएंगी। इसमें 41 बसें कैंट बस स्टेशन से रवाना होंगी।

चार जोड़ी विशेष ट्रेनें चलेंगी

रेलवे ने भी चार जोड़ी ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया है। इसमें पहली ट्रेन 05109 (बनारस-प्रयागराज रामबाग) चलाई जाएगी। यह ट्रेन बनारस स्टेशन से 5 जनवरी से चलेगी। अगले दिन रामबाग से गाड़ी संख्या 05110 बनारस के लिए आएगी। यह ट्रेन बनारस से रात 10:30 बजे चलेगी और सभी स्टेशनों पर रुकते हुए रामबाग पहुंचेगी।

कहां से चलेंगी कितनी बसें

वाराणसी कैंट रोडवेज

वाराणसी कैंट रोडवेज - फोटो : अमर उजाला

वाराणसी-झूंसी	41
मछलीशहर-झूंसी	25
जौनपुर-झूंसी	22
सुजानगंज-झूंसी	22
बदलापुर-झूंसी	30
ज्ञानपुर-झूंसी	05
भदोही-झूंसी	05
गाजीपुर-झूंसी	10

2019 में मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन करके शराब पीकर गाड़ी चलाने पर जुर्माना 2,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया गया था।

नशे में ड्राइविंग रोकने के लिए क्या भारत में ये सिस्टम होगा कारगर? ऑस्ट्रेलिया में है आजमाया हुआ

एनटीवी संवाददाता

भारत में शराब पीकर गाड़ी चलाने की घटनाएं अक्सर त्योहारों के मौसम में बढ़ जाती है। और इसकी वजह से, हमें दिल्ली के कंझावला मामले जैसी भीषण घटनाएं देखने को मिलती हैं। इससे सवाल उठता है कि क्या भारत में अधिकारियों द्वारा पकड़े जाने और कानून के शिकंजे में कसे जाने का डर इतना कम है कि लोगों नशे की हालत में गाड़ी चलाने और अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डालने का दुस्साहस करते हैं।

2019 में मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन करके शराब पीकर गाड़ी चलाने पर जुर्माना 2,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया गया था। अब पहली बार अपराध करने पर ड्राइवर को 10,000 रुपये तक का भुगतान करने के लिए कहा जा सकता है और छह महीने तक की जेल भी हो सकती है। दूसरी बार अपराध करने पर जुर्माना 15,000 रुपये तक जा सकता है और जेल की अवधि दो साल तक बढ़ सकती है। जुर्माने में बढ़ोतरी के बावजूद, नशे में धुत चालक कानून को ताक पर रखकर बेहद आसानी से इस जोखिम को मोल लेते नजर आते हैं। शायद यह मानते हुए कि वे सजा से बच जाएंगे।

यह स्थिति दुनिया भर में कमोबेश एक जैसी है और इसके लिए अलग-अलग देशों में अलग-अलग स्तर के दंड का प्रावधान है। ब्रिटेन में, जुर्माना असीमित है और मामले की सुनवाई करने वाले प्रशासन द्वारा तय किया जाता है। स्वीडन में दो साल तक की कैद है और गंभीर मामलों में दो साल या उससे ज्यादा के लिए लाइसेंस रद्द कर दिया जाता है।

हालांकि, ऑस्ट्रेलिया में ₹इग्निशन इंटरलॉक सिस्टम₹ नाम की एक नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है जिसमें नशे की हालत में वाहन चलाने वाले ड्राइवर को पकड़ने के लिए किसी पुलिस वाले की जरूरत नहीं होती है। क्योंकि अगर ड्राइवर नशे में है तो कार स्टार्ट ही नहीं होगी।

ऑस्ट्रेलिया ब्रेथएनालाइजर के मुताबिक, ₹इस सिस्टम में आपको अपनी कार चालू करने के लिए सांस का नमूना देना पड़ता है। एक निश्चित मात्रा में शराब की मात्रा आपकी ब्रेथ एनालाइजर (सांस विश्लेषक) यूनिट को आपना वाहन चालू करने की अनुमति देने से रोक सकती है।₹ इंटरलॉक में एक कैमरा भी शामिल है और इस प्रोग्राम को दरकिनार करने वाले ड्राइवर के जोखिम को कम करने के लिए सांस का नमूना देने वाले व्यक्ति की तस्वीर लेता है।

सड़क सुरक्षा योजना 2021 के विकास के लिए न्यू साउथ वेल्स समुदाय के एक सर्वेक्षण में उत्साहजनक नतीजे सामने आए। इस सर्वे में शामिल लगभग 84 प्रतिशत लोगों ने महसूस किया कि अल्कोहल इंटरलॉक सड़क सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण थे।

शराब पीकर गाड़ी चलाना एक अहम सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है जो न सिर्फ शराब पीने वालों को प्रभावित करती है बल्कि यात्रियों और पैदल चलने वालों जैसे निर्दोष लोगों को भी प्रभावित करती है। जबकि भारत में नशे में गाड़ी चलाने और घातक दुर्घटनाओं के कई मामले सामने आते हैं, पिछले पांच वर्षों में इस प्रवृत्ति में गिरावट आई है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, 2017 में नशे में ड्राइविंग के कारण 14,071 दुर्घटनाएं हुईं, जो 2021 में कम होकर 9,150 रह गईं। साथ ही, संबंधित मौतें 2017 में 4,776 से कम होकर 2021 में 3,314 हो गईं। कुल दुर्घटनाओं में शराब पीकर गाड़ी चलाने की हिस्सेदारी भी 2017 के तीन प्रतिशत से कम होकर 2021 में 2.2 प्रतिशत हो गई है।

जबकि कई लोगों को लगता है कि उनके सिस्टम में अल्कोहल के निम्न स्तर के बावजूद कंट्रोल ज्यादा रहता है, लेकिन डब्ल्यूएचओ का कुछ और ही मानना है। डब्ल्यूएचओ का कहना है, ₹कम ब्लड-अल्कोहल लेवल पर भी, चालक कंसन्ट्रेशन (एकाग्रता), कोऑर्डिनेशन (समन्वय) और सड़क के वातावरण में जोखिमों की पहचान के साथ समस्याओं का अनुभव करते हैं।₹ इसमें कहा गया है कि किसी दिए गए ब्लड-अल्कोहल लेवल पर, हाई स्पीड या खराब सड़क डिजाइन के होने पर नशे में ड्राइविंग दुर्घटनाएं ज्यादा गंभीर या ज्यादा संख्या में हो सकती हैं।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

फीमेल ऑर्गेज्म से जुड़े हैं ये 5 अज्ञात फैक्ट्स, जानकर आप भी हो जाएंगी हैरान

महिलाओं के शरीर से जुड़े फैक्ट्स
महिलाओं को खुद पता नहीं होते हैं. उन्हें अपने शरीर के बारे में समझने की जरूरत है, खुलकर बात करने की जरूरत है, न की इस पर चुप रहने की. सेक्स जरूरी है और इससे जुड़े अंग जो आपको उत्तेजित करते हैं उसके बारे में जानना भी जरूरी है. आज हम 5 ऐसे ही अज्ञात तथ्यों के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में जानकर आपको हैरानी होने वाली है'

महिलाओं में 3 से अधिक यौन अंग होते हैं !
महिला के बाहरी यौन अंग को लेबिया मेजोरा कहा जाता है. यह योनि के खुलने के आसपास वाली त्वचा होती है, जो 2 फोल्ड्स में मौजूद होती है. भीतरी यौन अंग को लेबिया माइनोरा कहा जाता है, जो लेबिया मेजोरा के नीचे स्थित होते हैं. आंतरिक महिला यौन अंग में अंडाशय (Ovaries), फैलोपियन ट्यूब, गर्भाशय (Uterus), गर्भाशय ग्रीवा (Cervix) और योनि (Vagina) हैं. महिला सेक्स सिर्फ प्रजनन (Reproductive) अंग नहीं हैं, वे महिलाओं में यौन उत्तेजना का भी काम करते हैं.

विभिन्न चरणों में समझे फीमेल ऑर्गेज्म
जिस तरह से एक महिला को ऑर्गेज्म प्राप्त होता है वह पुरुषों की तुलना में अलग होता है. पहले एक उत्तेजना चरण होता है जो शारीरिक प्रतिक्रियाओं से प्रेरित होता है. दूसरा जब क्लाइटोरिस प्रतिक्रिया देना शुरू कर देता है. क्लाइटोरिस को "फीमेल पेनिस" भी कहते हैं, जो महिलाओं के शरीर का सबसे ज्यादा उत्तेजित करने वाला अंग माना गया है. तीसरा चरण ऑर्गेज्म से ठीक पहले होता है जहां हृदय गति सबसे अधिक होती है. अंतिम चरण रिलीज या संभोग का चरण है.

क्लाइटोरिस सबसे अधिक उत्तेजित करने वाला अंग

क्लाइटोरिस सबसे अधिक उत्तेजित करने वाला अंग इसलिए कहलाता है क्योंकि इसमें 8,000 से अधिक तंत्रिका हैं. इस प्रकार से यह सबसे अधिक उत्तेजना उत्प्रेरण अंगों में से एक है. ऐसा कहा जाता है कि 75 प्रतिशत से अधिक महिलाओं में क्लाइटोरिस को छूने पर ही ऑर्गेज्म चरमोत्कर्ष पर पहुंचता है. तीन-चौथाई क्लाइटोरिस छिपे हुए होते हैं शायद इसीलिए इसे कामोत्तेजना वाले अंग के रूप में नहीं देखा जा सकता है. क्लाइटोरिस का एकमात्र उद्देश्य महिलाओं को आनंद देना होता है.

फीमेल ऑर्गेज्म में स्तन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

महिलाओं में स्तन और निप्पल की उत्तेजना के कारण भी ऑर्गेज्म प्राप्त किया जा सकता है. अध्ययनों से पता चला है कि निप्पल को उत्तेजित करने से भी जेनाइटल्स यानी जननांगों को सक्रिय किया जा सकता है.

महिला को आनंद देने वाले अंग एक दूसरे से जुड़े हुए हैं

महिलाओं को सुख देने वाले अंग एक दूसरे से जुड़े हुए हैं. एक अंग से प्रत्येक अंग उत्तेजित होता है. जिस वजह से महिलाओं को अधिक आनंद की प्राप्ति होती है. पार्टनर की प्राथमिकता, पसंद और सेक्सुअल एनाटॉमी को ध्यान में रखें. इंटरकोर्स यानी संभोग के दौरान यह महत्वपूर्ण होता है.

महिलाओं में होने वाली हेल्थ से जुड़ी परेशानियां, जिनके बारे में जानना है बेहद जरूरी

पुरुषों की तुलना में महिलाओं को कुछ अलग हेल्थ प्रॉब्लम्स होने की संभावना अधिक रहती है लेकिन समय पर इलाज होने पर उपचार संभव है. जानिए महिलाओं में होने वाली कुछ सामान्य हेल्थ से जुड़ी परेशानियों के बारे में. क्या आप जानते हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में हार्ट अटैक डेथ्स की संभावना अधिक होती हैं. यही नहीं, डिप्रेशन और एंग्जायटी की समस्या भी महिलाओं में अधिक देखी जाती है. महिलाओं और पुरुषों दोनों कई हेल्थ कंडिशंस से गुजरते हैं लेकिन कुछ हेल्थ से जुड़ी समस्याएं हैं, जो महिलाओं में ज्यादा देखी जाती हैं. वहीं जानकारी की कमी या लापरवाही के कारण कई महिलाओं की हेल्थ कंडिशंस का समय पर निदान नहीं हो पाता.

छात्राओं का बढ़ता यौन उत्पीड़न रोकें

छात्राओं का यौन उत्पीड़न शिक्षा समाज में एक अत्यंत संवेदनशील मुद्दा है। इसे राज्य सरकारें कभी भी हल्के से न लें। क्यों न हमारे पत्रकार दोस्तों और सरकारों द्वारा यह पड़ताल की जाए कि राज्यों के स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी व कोचिंग सेंटर्स में छात्राओं की अस्मत की सुरक्षा के क्या उपाय किए गए हैं। कहीं पर छात्राओं के यौन उत्पीड़न की घटना होने पर शिक्षा संस्थानों पर तुरंत वाजिब एक्शन लोकहित में होना चाहिए'

डा. वरिंदर भाटिया

देश के अनेक राज्यों के शिक्षा संस्थानों मे छात्राओं का यौन शोषण चिंताजनक बनता जा रहा है। इसी संदर्भ में हाल ही में कोचिंग सेंटरों में यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को लिखा है कि सभी कोचिंग संस्थानों को छात्राओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए प्रभावी क़दम उठाने के निर्देश दिए जाएं। एक रिपोर्ट के मुताबिक कोचिंग सेंटरों में यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को लिखा है कि वे कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 और इसके तहत दिए गए दिशा-निर्देशों का सख्ती से अमल सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित करें। आयोग ने कहा है कि हाल के सालों में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न दुनिया भर में महिलाओं को प्रभावित करने वाले सबसे बड़े मुद्दों में से एक बन गया है। आयोग कोचिंग/शैक्षणिक संस्थानों में यौन उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर चिंतित है। आयोग ने सभी हितधारकों के बीच कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने के लिए भी कहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि काम की जगह पर यौन उत्पीड़न के मामले जिम्मेदारी और प्रभावी ढंग से रिपोर्ट किए जा रहे हैं। आयोग ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह सुनिश्चित करने को भी कहा है कि ये कोचिंग सेंटर संबंधित प्राधिकरण में पंजीकृत हों और केंद्रों को चलाने के लिए जिम्मेदार लोगों की पृष्ठभूमि की जांच की गई हो।

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, संरक्षण और निवारण) विधेयक 2012 (संशोधित विधेयक) संसद द्वारा 2013 में पारित किया गया था। यौन उत्पीड़न कानून संगठित और असंगठित क्षेत्रों सहित सभी क्षेत्रों पर लागू होता है। हमारी जानकारी के लिए, किसी भी कार्यस्थल पर कोई भी लालच देकर अनावश्यक रूप से दबाव बनाना भी यौन शोषण अपराध का हिस्सा होता है। कार्यस्थल पर अश्लील चित्र दिखाना, शरीर के यौन अंग पर टिप्पणी करना, यौन गतिविधियों की अफवाह फैलाना, सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी महिला के साथ अभद्रता या गाली गलौज करना भी यौन शोषण के अंतर्गत आता है। शिक्षा के मंदिर इसका अपवाद नहीं हो सकते हैं। ऐसी घटनाओं की तुरंत रिपोर्टिंग की जरूरत होती है परन्तु छात्राओं द्वारा किन्हीं कारणों से इसको न बताने पर उनका शोषण बढ़ता जाता है। बेहतर है सरकारें छात्राओं से मिली इस जानकारी को गुप्त रख छद्म जांच करें और कार्रवाई करें। कुछ समय से देश के अनेक राज्यों में छात्राओं के यौन शोषण की घटनाओं में बढ़ोतरी से सामाजिक व्याकुलता बढ़ रही है। यौन शोषण का छात्राओं के दिमाग पर बुरा प्रभाव पड़ता है क्योंकि जिस मनुष्य का यौन शोषण हुआ होता है वह पूरी मानवता से नफरत करने लगता है। उसे हर व्यक्ति केवल शोषण करने वाला ही दिखता है क्योंकि यह उसकी मानसिकता बन जाती है जिसे आसानी से नहीं हटाया जा सकता है और उसके लिए बहुत सी तकलीफों का सामना भी करना होता है, जैसे कि वह यौन शोषण उसे बार-बार याद आते रहते हैं और उसको और ज्यादा मानसिक तकलीफ होती है जो उसके लिए बहुत कष्टदायक होती है, यह जिस तन लागे वोही जाने वाली स्थिति होती है। आज सिर्फ कोचिंग सेंटर ही नहीं, स्कूल-कॉलेज और यूनिवर्सिटीज में छात्राओं के यौन उत्पीड़न की घटनाओं में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। कुछ समय पहले एक छात्र ऑडिट के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के 24 कॉलेजों और विभागों में सर्वेक्षण किया गया। कुल 810 छात्र-छात्राओं ने सवालों के जवाब दिए। इसमें करीब 90 प्रतिशत महिलाएं और 10 प्रतिशत पुरुष थे। रिपोर्ट में कहा गया कि हर चार छात्राओं में से एक ने यौन उत्पीड़न की शिकायत की। यौन उत्पीड़न के 188 मामलों में 40 मामले शारीरिक उत्पीड़न के थे। उत्पीड़न के पांच में से एक मामला जबरदस्ती छूने या पकड़ने का था। उत्पीड़न के प्रत्येक पांच मामलों में से एक सोशल मीडिया पर ट्रोल करने या कॉल या लिखित वॉट्सऐप मैसेजों के जरिए उत्पीड़न का था।

जवाब देने वाले तकरीबन 80 प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने परिसर में असुरक्षा के लिए विश्वविद्यालय या कॉलेज प्रशासन की ओर से कदम नहीं उठाने को जिम्मेदार ठहराया। ऐसा ऑडिट सरकारों की तरफ से सभी कॉलेजों में करवाया जाना चाहिए। सच बोलें तो सिर्फ छात्राएं ही नहीं, अमूमन सभी लड़कियों की लाइफ बहुत टफ होती है। उन्हें हर कदम पर न जाने कितनी गंदी नजरों का सामना करना पड़ता है। हर कदम पर उन्हें खुद को सुरक्षित रखने की चिंता लगी रहती है। ऑफिस या स्कूल, कॉलेज या फिर यूनिवर्सिटी तो छोड़िए, अब तो लड़कियां घर तक पर सेफ नहीं हैं। आए दिन पिता या भाई द्वारा भी रेप की खबरों से सोशल मीडिया भरा रहता है। ऐसे माहौल में आप भी समझ सकते हैं कि यौन उत्पीड़न की वजह से लड़कियों के लिए जीना कितना मुश्किल हो गया है। कॉलेज की बात करें तो वहां पर भी लड़कियों को यहां तक कि तदर्थ महिला अध्यापकों को भी पक्की जॉब के लिए यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है। कई प्रशासनिक अधिकारी भी इसमें शामिल रहते हैं जो बेडरूम सिंड्रोम से पीड़ित होते हैं। यह एक न हजम होने वाली सच्चाई हो सकती है। छात्राओं के यौन शोषण को लेकर विदेश की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। ब्रिटेन स्थित ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का नाम पूरी दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में आता है लेकिन पिछले कुछ समय पहले की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि यहां पर छात्राओं का यौन उत्पीड़न सबसे ज्यादा होता है। कर्मचारियों द्वारा विद्यार्थियों का यौन उत्पीड़न किया जाना ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में महामारी के स्तर तक पहुंच चुका है। वहां की कई यूनिवर्सिटियों में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है जिससे कर्मचारियों को विद्यार्थियों पर यौन संबंध के लिए दबाव बनाने से रोका जा सके। इतना ही नहीं, ऐसा होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए भी पर्याप्त नियम नहीं हैं। बस इसी बात से आप जान सकते हैं कि जब दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटी में लड़कियों और स्टूडेंट्स का ये हाल है तो फिर बाकी कॉलेजों में स्टूडेंट्स के साथ क्या हो रहा होगा। एक जमाने में स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय को विद्या का मंदिर समझा जाता था और आज अपने देश में भी इनमें से कुछ की छवि इतनी ज्यादा धूमिल हो गई है कि अब इन्हें विद्या का मंदिर नहीं कहा जा सकता है। राज्य सरकारें ऐसे इंतजाम करें, ऐसे रिपोर्टिंग सिस्टम स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी को बनाने के लिए कहें जिससे छात्राओं के यौन शोषण के मामले दबे नहीं।

छात्राओं का यौन उत्पीड़न शिक्षा समाज में एक अत्यंत संवेदनशील मुद्दा है। इसे राज्य सरकारें कभी भी हल्के से न लें, क्यों न हमारे पत्रकार दोस्तों और सरकारों द्वारा यह पड़ताल की जाए कि राज्यों के स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी और कोचिंग सेंटर्स में छात्राओं की अस्मत की सुरक्षा के क्या उपाय किए गए हैं। कहीं पर छात्राओं के यौन उत्पीड़न की घटना होने पर शिक्षा संस्थानों पर तुरंत वाजिब एक्शन लोकहित में होना चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है ताकि छात्राओं की पढ़ाई-लिखाई को उत्साह देने के लिए उन्हें सुरक्षित अकादमिक माहौल दिया जा सके। छात्राओं के हॉस्टल उनके लिए कितने सुरक्षित हैं, यह वैरिफिकेशन जरूरी और तुरंत हो तो बेहतर है। छात्राओं को सुरक्षित करना ही होगा।

मां बनने के बाद छोटी-छोटी बातें भूलने लगी हैं, तो 'मॉमी ब्रेन' प्रॉब लम से ऐसे करें बचाव

क्या आपके साथ भी ऐसा हुआ है कि आप मां बनने के बाद छोटी छोटी बातें भूलने लगीं हैं? कभी ऐसा हुआ हो कि आप कमरे में तेजी से गईं और वहां जाकर भूल गईं कि आप क यों कमरे में आईं या गाड़ी की चाबी हाथ में हैं और आप पूरे फ्लैट में चाबी ढूंढती रहीं? अगर आप ऐसी समस याओं से परेशान हो गई हैं तो यह अकेले आपकी ऐसी समस या नहीं है. दर असल इस समस या को मॉमी ब्रेन के नाम से जाना जाता है. वेरीवेलफैमिली के मुताबिक एक स्टडी में पाया गया है कि बच्चे को जन म देने से मां का मस्तिष्क भी काफी प्रभावित होता है और कभी-कभी लंबे समय तक इसका असर कायम रहता है. ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के एक अध्ययन ने भी ये पाया गया है कि मां बनने से महिला के याददाश त क्षमता पर स थाई असर पड़ता है.

क्या है इस परेशानी की वजह?

कई शोधकर्ताओं ने माना कि ये परिवर्तन एक नई मां को अपने बच्चे की देखभाल करने की क्षमता को बढ़ाने का एक नेचुरल तरीका होता है. यह भी कहा जा सकता है कि मस्तिष्क में ये परिवर्तन दर असल नई माताओं को बच्चे की जरूरतों को अपनाने और उन हें पूरा करने के लिए अहम होता है.

मॉमी ब्रेन से उबरने के उपाय

धैर्य रखें- शरीर में हुए इस बायोलॉजिकल बदलाव की वजह से आप खुद से परेशान हैं और इरिटेट हो जाती हैं आपको बता दें कि अगर आप थोड़ा धैर्य रखें और किसी भी काम को पूरा करने के लिए थोड़ा एक स ट्रा ट लान बनाएं तो मॉमी ब्रेन की समस या से उबर सकती हैं.

लिस्ट बनाएं- इस समस या से बचने के लिए बेहतर होगा कि आप अपने हर काम की लिस ट बनाएं. इसके लिए आप एक नोटबुक कैरी करें और जब भी कुछ याद आए तो उसे लिख लें. ऐसा करने से आप जरूरी चीजों को भूलेंगी नहीं.

प्लान बनाएं- आप पहले से चीजों के लिए प लान बनाएं और अपनी हर चीज को सही जगह पर रखने की आदत डाल लें. इससे आपका काम काफी आसान बन जाएगा. मसलन, आप अगर सुबह डॉक टर के पास जाने वाली हैं तो रात में ही सारा सामान तैयार रखें. आप चाभी, वॉलेट आदि हमेशा एक ही जगह पर रखें आदि.

पर्याप्त नींद जरूरी- नई मांओं की व यस तता 24 घंटे की होती है. लेकिन आपको कुछ इस तरह अपने रुटीन को फॉलो करना है कि आपकी नींद पूरी हो सके. इसके लिए आप परिवार के लोगों की मदद ले सकती हैं और बच चे के साथ ही सोने और जागने की रुटीन को फॉलो कर सकती हैं. भरपूर नींद आपके ब्रेन को रिलैक स करेगा और ये बेहतर तरीके से काम कर पाएगा.

ब्रेन को दें एक्स्ट्रा केयर- ब्रेन के लिए आप अपने खानपान पर ध यान दें और ब्रेन गेम खेलें. ब्रेन गेम आपके दिमाग को एक्टिव रखने का काम करेगा और ये बेहतर तरीके से काम कर सकेंगे. इसके अलावा, आप उन चीजों को डाइट में शामिल करें जिसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड हो और भरपूर प्रोटीन हो.

ज्यादा वजन भी बन सकता है हाई रिस्क प्रेगनेंसी की वजह, इन तरीकों से करें बचाव

हाई रिस्क प्रेगनेंसी के खतरे से खुद को बचाना है तो समय-समय पर अपनी जांच जरूर कराती रहें. इसके अलावा, जहां तक हो सके प्रेगनेंसी में तनाव से दूर रहें, भरपूर आराम करें और रोजाना योग जरूर करें. इन बातों का ध्यान रखकर आप इस खतरे से बच सकती हैं.

मां बनने का सपना हर महिला देखती है. लेकिन कई महिलाओं में सेहत से जुड़ी समस्याओं की वजह से उनकी प्रेगनेंसी कठिनायों से भरी होती है. कई बार तो उनके लिए प्रेगनेंसी जोखिम भरा हो जाता है और इससे मां और पेट में पल रहे बच्चे की जान तक जा सकती है. इसी जोखिम को 'हाई रिस्क प्रेगनेंसी' कहा जाता है. एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में तकरीबन 5,29,000 महिलाओं की मौत गर्भावस्था के दौरान इन खतरों की वजह से हो जाती है. इसकी वजह खराब सेहत, बदलती लाइफस्टाइल, खान पान में लापरवाही को माना जाता है. यही नहीं, कई बार ऐसी समस्याएं किसी बीमारी या जेनेटिक डिजीज की वजह से भी हो सकती है.

हाई रिस्क प्रेगनेंसी की ये हैं बड़ी वजह

एनआईएच के मुताबिक अगर महिला को हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज है या वो एचआईवी पॉजिटिव है तो उसे प्रेगनेंसी में रिस्क की समस्या हो सकती है. अगर महिला का वजन ज्यादा है तो इससे हाई ब्लड प्रेशर, प्रीक्लेम्पसिया, गर्भकालीन मधुमेह, स्टिलबर्थ, न्यूरल ट्यूब दोष और सिजेरियन डिलीवरी की समस्या हो सकती है. इसकी वजह से जन्म के समय नवजात में हृदय रोग का खतरा 15% तक बढ़ सकता है.

किशोरावस्था और 35 वर्ष या उससे अधिक उम्र की महिलाओं में गर्भावस्था की वजह से प्रीक्लेम्पसिया और गर्भकालीन उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ जाता है जो हाई रिस्क प्रेगनेंसी की वजह बन सकता है. गर्भाशय में हुई कोई पुरानी सर्जरी की वजह से भी हाई रिस्क प्रेगनेंसी का खतरा हो सकता है. इसके अलावा, जुड़वा बच्चों और आईवीएफ द्वारा गर्भ धारण की प्रक्रिया भी महिलाओं में रिस्की प्रेगनेंसी की वजह हो सकता है.

हाई रिस्क प्रेगनेंसी से बचाव का तरीका

अगर आप हाई रिस्क प्रेगनेंसी से बचना चाहती हैं तो समय-समय पर अपनी जांच कराती रहें. इसके अलावा, प्रेगनेंसी में तनाव से बचें, भरपूर आराम करें, रोजाना योग ध्यान करें, फ्रेश हवा में वॉक पर जाएं, हेल्दी खान पान करें और डॉक्टर की संपर्क में रहें.

इनसाइड

हिन्दू-मुस्लिम एकता की मिसाल बनी भारत जोड़ो यात्रा, अल्पसंख्यकों समेत अन्य वर्गों का मिला समर्थन

नई दिल्ली। सड़क के दोनों तरफ राहुल गांधी की एक झलक पाने के लिए उत्साहित दिल्लीवासी दिखे। यात्रा में हिन्दू-मुस्लिम एकता की मिसाल कायम होती दिखाई दी। भारत जोड़ो यात्रा 3.3 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से आगे बढ़ती हुई मंगलवार को उत्तर प्रदेश में दाखिल हुई। सुबह 10 बजे शुरू हुई 2020 के हिंसा प्रभावित उत्तर पूर्वी दिल्ली के इलाकों से गुजरी। यात्रा के स्वागत के लिए बनाए गए मंच से कांग्रेस और यात्रा के समर्थन में नारे गूंजते रहे। सड़क के दोनों तरफ राहुल गांधी की एक झलक पाने के लिए उत्साहित दिल्लीवासी दिखे। यात्रा में हिन्दू-मुस्लिम एकता की मिसाल कायम होती दिखाई दी। भीड़ अधिक होने की वजह दीवार, सीढ़ियां और मेट्रो स्टेशनों और घरों की छत पर खड़े होकर भी लोगों ने यात्रा को दिल्ली से विदा किया। भीड़ इतनी अधिक थी कि कई बार समर्थकों के कदम लड़खड़ाए, फिर भी यात्रा में शामिल होने के लिए दोबारा दौड़ लगाई। करीब तीन साल पहले हिंसा की आग में झुलसी उत्तर पूर्वी दिल्ली में यात्रा को अल्पसंख्यकों समेत सभी वर्गों का पूरा समर्थन मिला। स्थानीय लोगों के मुताबिक हिंसा के बाद भी राहुल गांधी ने उनके दुख दर्द को समझने की कोशिश की थी। कई जगह महंगाई के खिलाफ रोष जताते हुए लोगों ने भारत जोड़ो यात्रा को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि परेशानी इतनी बढ़ गई है कि कांग्रेस से उम्मीदें बढ़ गईं हैं।

पोस्टरों में भी दिखी नफरत की खिलाफत

नफरत के खिलाफ राहुल गांधी के संदेश का असर पोस्टरों में भी दिखा। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सड़क के दोनों तरफ लगे पोस्टर में लिखा था, एकता का राज चलेगा, हिन्दू मुस्लिम साथ चलेगा। नफरत के बाजार में, मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं, के संदेश से समर्थकों का जोश और अधिक दिखा। हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में समर्थक हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसाल कायम करते दिखे। जैन, सिख, हिन्दू और मुस्लिम सहित तमाम वर्ग के लोग भी यात्रा का गवाह बने।

युवक की धारदार हथियार से हत्या, शव को जलाया, यमुना किनारे मिली बॉडी, नहीं हुई शिनाख्त

पुलिस के मुताबिक सोमवार शाम को वजीराबाद थाना पुलिस को खबर मिली कि रामघाट, वजीराबाद , यमुना खादर में एक शव जला हुआ पड़ा है। खबर मिलते ही फौरन एक टीम मौके पर पहुंची। शव की पड़ताल करने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। शव से कुछ दूरी पर झाड़ियों में काफी मात्रा में खून पड़ा हुआ था। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद इलाके में धारदार हथियार से हमला कर युवक की हत्या कर दी गई। वारदात के बाद हत्यारों ने ज्वलनशील पदार्थ डालकर शव को जला दिया। खबर मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो लगभग 90 फीसदी जली हुई हालत में शव मिला। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल की टीम को मौके पर बुला लिया गया। फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सब्जी मंडी मोर्चरी भेज दिया है। घटना स्थल के पास से पुलिस को एक पेपर कटर व माचिस बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक सोमवार शाम को वजीराबाद थाना पुलिस को खबर मिली कि रामघाट, वजीराबाद , यमुना खादर में एक शव जला हुआ पड़ा है।

दिल्ली: आईजीआई एयरपोर्ट से पेरिस के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट की कराई गई इमरजेंसी

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। पेरिस से लौट रही फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हालांकि जिला डीसीपी ने यह नहीं बताया कि इमरजेंसी लैंडिंग क्यों करवाई जा रही है इसे गुप्त रखा गया है। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से पेरिस के लिए उड़ान भरने वाली एक फ्लाइट की आईजीआई एयरपोर्ट पर सकुशल इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट रास्ते से वापस लौटी है। फ्लाइट में 218 यात्री थे। यह एयर इंडिया की AI 143 फ्लाइट थी। इमरजेंसी को लेकर दिल्ली के एम्स अस्पताल, फायर विभाग और सभी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है। इमरजेंसी लैंडिंग के लिए आईजीआई एयरपोर्ट के एक हिस्से को बंद कर दिया गया है। आईजीआई एयरपोर्ट जिला डीसीपी रवि कुमार सिंह ने इमरजेंसी लैंडिंग करवाने की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि पेरिस जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट की एयर विंग में खराबी थी। हालांकि अभी मामले की जांच चल रही है और उसके बाद ही पूरी जानकारी मिल पाएगी। जब तक फ्लाइट सकुशल लैंड नहीं हुई तब तक इस पूरे मामले को गुप्त रखा गया था।

फ्लाइट में महिला पर पेशाब करने के मामले में IGI एयरपोर्ट थाना पुलिस ने दर्ज की FIR

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने इसकी शिकायत 28 दिसंबर को आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस को दी थी। आईजीआई एयरपोर्ट जिला डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि एयर इंडिया ने आज बुधवार को लिखित तौर पर शिकायत दी है, जिस पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। अमेरिका से लौट रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। फ्लाइट में नशे में धुत एक व्यक्ति ने महिला पर पेशाब कर दी। इस करतूत के बाद भी आरोपी महिला के साथ काफी देर तक खड़ा रहा। यात्रियों ने व्यक्ति को हटाने की कोशिश की, लेकिन जब व्यक्ति महिला के पास से नहीं हटा तो फ्लाइट के स्टाफ को इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद क्रू मेंबरों ने व्यक्ति को

हटाया। एयर इंडिया ने इसकी शिकायत 28 दिसंबर को आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस को दी थी। आईजीआई एयरपोर्ट जिला डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि एयर इंडिया ने आज बुधवार को लिखित तौर पर शिकायत दी है। इस शिकायत के बाद आईजीआई एयरपोर्ट थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपी व्यक्ति मुंबई का रहने वाला है और उसकी तलाश की जा रही है। एयरपोर्ट थाने से एक पुलिस टीम मुंबई भेजी गई है।

एम्स के डॉक्टरों का दावा- ब्रेल से जल्द बजती है दिमाग की घंटी, हाथों से मस्तिष्क तक पहुंचते हैं सिग्नल

नई दिल्ली। एम्स के चिकित्सकों के मुताबिक, एक रिसर्च में पाया गया कि जिन दृष्टिबाधित दिव्यांगों ने ब्रेल का इस्तेमाल किया उनमें सीखने, समझने की क्षमता ज्यादा पाई गई है। ब्रेल लिपि से पढ़ाई के दौरान हाथ से सिग्नल दिमाग तक जाता है।

दृष्टिबाधित दिव्यांग अगर ब्रेल लिपि का प्रयोग करता है तो उसका मानसिक और कौशल विकास अधिक होता है। ब्रेल विधि में हाथों से मिलने वाला सिग्नल दिमाग तक जाता है जो दिव्यांगों में सीखने और समझने की क्षमता को बढ़ता है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली के डॉ. राजेंद्र प्रसाद और नेत्र विज्ञान केंद्र में सामुदायिक नेत्र विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. सूरज सिंह सेंजम ने कहा कि रिसर्च बताती है कि जिन दृष्टिबाधित दिव्यांगों ने ब्रेल का इस्तेमाल किया उनमें सीखने, समझने की क्षमता ज्यादा पाई गई है। ब्रेल लिपि से पढ़ाई के दौरान हाथ से सिग्नल दिमाग तक जाता है, जिससे

सोचने समझने की क्षमता बढ़ती है।

उन्होंने कहा कि समय के साथ काफी कुछ डिजिटल हो रहा है, लेकिन कक्षा सात तक अगर ब्रेल से पढ़ाई होती है तो उनमें सीखने की क्षमता ज्यादा होगी। उसके बाद ऑडियो बुक का इस्तेमाल करना ज्यादा बेहतर होता है।

देश में 50 लाख से अधिक है दृष्टिबाधित दिव्यांग

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अनुसार देश में दृष्टिबाधित दिव्यांगों की संख्या 50 लाख है। विभाग के आंकड़ों के अनुसार उनकी असल संख्या 50,33,431 है। इनमें से पुरुष 26,39,028 और महिला 23,94,403 हैं।

सुविधा के लिए कई एप

डॉ. सूरज ने बताया कि दृष्टिबाधित दिव्यांगों की मदद के लिए कई मोबाइल एप आ चुके हैं। इन एप की मदद से रंगों की पहचान, पेपर पढ़ना, नोट को पहचानना व गिन पाना आदि संभव है। इनके अलावा एम्स में बनाए गए लैब में इसे लेकर रिसर्च चल रही है।

एम्स में रोज आते हैं 15-18 मरीज

डॉ. सूरज ने बताया कि एम्स के पुनर्वास विभाग में रोजाना 15-17 मरीज आते हैं। एम्स के डॉक्टर व अन्य इन्हें ब्रेल व अन्य माध्यम से बेहतर तरीके सिखा रहे हैं। साथ ही ऐसे दिव्यांगों को सशक्त बनाने का प्रयास किया जाता है।

श्रद्धा केस में बाल और हड्डियों के सैंपल हुए मैच, पोस्टमार्टम के लिए भेजी जाएंगी अस्थियां

दिल्ली। श्रद्धा की हड्डी का एक टुकड़ा और बालों का गुच्छा उसके पिता और भाई के साथ मेल खाता है जो हड्डी और बालों की पहचान को श्रद्धा वालकर के रूप में स्थापित करता है। अस्थियों को अब एम्स के मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। श्रद्धा हत्याकांड मामले में अब एक नया खुलास हुआ है। माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए रिपोर्ट में श्रद्धा वालकर के बाल और हड्डी के नमूने को मिलान उन हड्डियों से हुआ है जो पुलिस को जांच के दौरान मिली थी। यह रिपोर्ट दिल्ली पुलिस को सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स से मिली है। यह जानकारी स्पेशल सीपी सागर प्रीत हुड्डा ने दी है। श्रद्धा की हड्डी का एक टुकड़ा और बालों का गुच्छा उसके पिता और भाई के साथ मेल खाता है जो हड्डी और बालों की पहचान को श्रद्धा वालकर के रूप में स्थापित करता है। अस्थियों को अब एम्स के मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

बेहद खराब हुई दिल्ली की हवा, कुछ दिनों तक नहीं है राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। आने वाले तीन दिनों में राहत की उम्मीद नहीं है। सफर का पूर्वानुमान है कि अगले छह दिनों तक दिल्ली का प्रदूषण स्तर बेहद खराब श्रेणी में रह सकता है। आने वाले दिनों में धुंध छाए रहने व ठंड बढ़ने से एक बार फिर प्रदूषण स्तर में बढ़त का अनुमान है। मौसमी दशाएं अनुकूल न होने से मंगलवार को दिल्ली का प्रदूषण स्तर बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। आने वाले तीन दिनों में राहत की उम्मीद नहीं है। मंगलवार को दिन में छाए बादलों के कारण प्रदूषण कण निचले सतह पर रहे। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार मंगलवार को दिल्ली में प्रदूषण सूचकांक 385 दर्ज किया गया। जो सोमवार के मुकाबले 28 सूचकांक अधिक रहा। वहीं एनसीआर के बहादुरगढ़, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, नोएडा, गुरुग्राम का सूचकांक दिल्ली से कम बेहद खराब व खराब श्रेणी में दर्ज किया गया।

सफर का पूर्वानुमान है कि अगले छह दिनों तक दिल्ली का प्रदूषण स्तर बेहद खराब श्रेणी में रह सकता है। आने वाले दिनों में धुंध छाए रहने व ठंड बढ़ने से एक बार फिर प्रदूषण स्तर में बढ़त का अनुमान है। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में पश्चिम व उत्तर-पश्चिम दिशा से चार से दस किमी की गति से हवाएं चली।

बुधवार की सुबह घना कोरोना छाए रहने की उम्मीद है। वहीं हवाओं की दिशा बदलकर उत्तर-पश्चिम से आठ से दस किमी प्रति घंटे हो सकती है। जिससे प्रदूषण स्तर बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। अगले छह दिनों तक प्रदूषण स्तर में ज्यादा सुधार की उम्मीद नहीं है। वहीं तापमान कम होने के कारण मंगलवार को मिक्सिंग हाइट 1100 मीटर पर रहा। वेंटिलेशन इंडेक्स भी औसत से कम रहा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार मंगलवार को प्रदूषण स्तर दिल्ली-एनसीआर में सबसे ज्यादा दिल्ली में 385 दर्ज किया गया। सोमवार को दिल्ली का प्रदूषण स्तर 357 पर था। बुधवार को सतही स्तर से उत्तर पश्चिमी दिशा से हवाएं चलने की उम्मीद है। सुबह मौसम साफ रहेगी, लेकिन भारी धुंध छाए रहने का अनुमान है।

शास्त्री पार्क इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत, तीसरा गंभीर रूप से घायल

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। यह दर्दनाक हादसा सीलमपुर थाना इलाके में देर रात दो बजे सामने आया है। तीनों युवक बाइक पर सवार थे और नंद नगरी से सीलमपुर खाना खाने जा रहे थे।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में मंगलवार देर रात घर से खाना खानेनिकले तीन दोस्त सड़क हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना में दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे की स्थिति गंभीर है। मृतकों की शिनाख्त विशाल राणा (27) और ऋतिक कुमार (22) के रूप में हुई है। हादसे में घायल तरुण (24) का जीटीबी अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस आशंका जाहिर कर रही है कि इनकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी। नजदीकी सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस इसकी जांच कर रही है। शुरुआती जांच के बाद पता चला है कि तीनों ही दोस्तों ने हेलमेट नहीं लगाए हुए थे।

पुलिस के मुताबिक, मूलरूप से गांव करोड़ा, गोंडा, यूपी विशाल अपने परिवार के साथ ए-2 ब्लॉक नंद नगरी में रहता था। परिवार में अब केवल मां ही बची है। वह जोमैटो में डिलीवरी बॉय का काम करता था। वहीं, ऋतिक परिवार के साथ नंद नगरी डी-ब्लॉक में रहता था। तरुण भी नंद नगरी में ही रहता है। ऋतिक और तरुण दोनों मेडिकल स्टोर पर काम करते थे। मंगलवार देर रात को विशाल घर पहुंचा। उसने अपने दोस्तों को कॉल कर चिकन खाने चलने की बात की।

देर रात को तीनों सीलमपुर इलाके में चिकन खाने के लिए घर से निकले। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। बाइक विशाल चला रहा था। वेलकम से सीलमपुर जाने की ओर जैसे ही तीनों सीलमपुर फ्लाईओवर पर चढ़े, हादसे का शिकार हो गए। देर रात 2:10 बजे राहगीरों ने सीलमपुर फ्लाईओवर पर सड़क हादसे की सूचना दी।

मौके पर पहुंची पीसीआर वैन ने घायलों को जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जहां ऋतिक और विशाल को मृत घोषित कर दिया गया। दोनों की सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हुई थी। वहीं, तरुण के सिर में भी गंभीर चोट लगी थी। मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरने के बाद तीनों के सिर डिवाइडर से टकराए। हेलमेट न होने के कारण इनके सिरों में गंभीर चोट लगी, जिसकी वजह से दो दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई।

मां के मना करने के बाद भी नहीं माना विशाल

विशाल की मां रश्मि का रोते-रोते बुरा हाल है। इकलौती संतान की मौत के बाद वह रोते-रोते बार-बार बेहोश हुए जा रही थीं। उत्तम नगर में रहने वाले विशाल के चाचा नंद कुमार राणा ने बताया कि उनकी भाभी के पास अब खोने को कुछ नहीं है। दो साल पहले बीमारी की वजह से विशाल के पिता राम मनोहर राणा की मौत हो गई थी। परिवार में बस विशाल और उसकी मां बची थी। पिता की मौत के बाद विशाल ने घर का खर्चा चलाने के लिए जोमैटो में डिलीवरी बॉय की नौकरी शुरू कर दी थी। मंगलवार देर रात को वह घर पहुंचा तो घर पर दाल बनी हुई थी। वह मां से बाहर जाकर चिकन खाकर आने की बात करने लगा। मां मंगलवार होने का हवाला देकर मना किया। घर पर ताला भी लगा दिया। लेकिन 12 बजे अगला दिन लगने की बात कर वह अपनी बाइक पर घर से निकल गया। ऋतिक और तरुण भी उसके घर आ गए। तीनों विशाल की बाइक पर सीलमपुर के लिए निकले और हादसे का शिकार हो गए। एक परिजन ने बताया कि चार माह पूर्व ही विशाल ने किस्तों पर डिलीवरी के लिए बाइक खरीदी थी।

हेलमेट होता तो बच सकती थी जान

मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे में बाइक से गिरने के बाद तीनों ही दोस्तों के सिर में गंभीर चोट लगी है। जानकारों का कहना है कि यदि तीनों के पास हेलमेट होता तो शायद कम चोट लगती और जान बचने की संभावना बढ़ जाती। मामले की जांच कर रहे दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने बताया कि 80 फीसदी से ज्यादा सड़क हादसों में दोपहिया वाहन चालकों की मौत सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से होती है। बाइक से गिरने के बाद दोपहिया वाहन चालकों के सिर में चोट लगती है जो उनके लिए जानलेवा साबित होती है। अधिकारी ने लोगों से अपील की है कि दोपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट के अपना वाहन न चलाएं। हेलमेट भी आईएसआई मार्क का होना चाहिए।

ग्रेटर नोएडा: अजनारा ली गार्डन के निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में फिर दिखा तेंदुआ

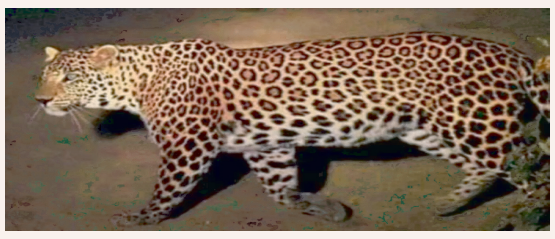

जिला वन अधिकारी प्रमोद श्रीवास्तव ने बताया कि तेंदुआ दिखाई देने की सूचना पर टीम उसको पकड़ने के लिए पहुंची थी। टीम ने भी वहां तेंदुए की तरह का जंगली जानवर देखा है। यह जंगली बिल्ली भी हो सकती है।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित अजनारा ली गार्डेन के निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में मंगलवार को एक बार फिर से तेंदुआ दिखाई देने से दहशत फैल गई। निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में नौकरी कर रहे सुरक्षाकर्मियों ने इसका वीडियो बना लिया। उसके बाद वन विभाग को तेंदुआ देखे जाने की सूचना दी। तेंदुआ पकड़ने के लिए देर शाम मेरठ से टीम बुलाई गई हैं। इसके साथ ही जिले की तीन टीम भी तेंदुआ को खोज रही है। खबर लिखे जाने तक तेंदुआ पकड़ में नहीं आ सका। बृहस्पतिवार देर रात भी इसी निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में तेंदुआ देखा गया था।

वन विभाग की टीम ने सर्च अभियान भी चलाया था, लेकिन तेंदुआ नहीं मिलने से खाली हाथ लौटना पड़ा था। जिला वन अधिकारी प्रमोद श्रीवास्तव ने बताया कि तेंदुआ दिखाई देने की सूचना पर टीम उसको पकड़ने के लिए पहुंची थी। टीम ने भी वहां तेंदुए की तरह का जंगली जानवर देखा है। यह जंगली बिल्ली भी हो सकती है।

करीब से देखने या पकड़ने के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी। काफी प्रयासों के बाद वह अभी पकड़ में नहीं आ सका है। तेंदुए को पकड़ने के लिए मेरठ से टीम बुलाई गई है।

ईएमयू ट्रेन में आग लगी, कोच के ऊपर गिरा था पेंट का डिब्बा; यात्रियों में मच गई खलबली

एनटीवी न्यूज

गाजियाबाद सीएफओ राहुल ने बताया कि आज गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर खड़ी एक ट्रेन में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। 2 फायर टेंडर मौके पर पहुंची। आग को बुझा दिया गया है। कोई जनहानि नहीं हुई है।

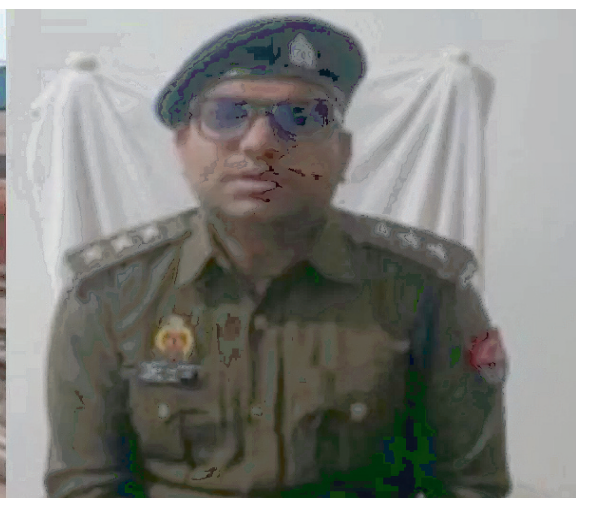

गाजियाबाद। बुधवार सुबह 9:50 पर रेलवे स्टेशन गाजियाबाद के प्लेटफॉर्म नम्बर दो पर ईएमयू ट्रेन की छत पर पेंट का डिब्बा गिरने से आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही यात्रियों में खलबली मच गई। ट्रेन से कुछ यात्रियों ने कूदने का भी प्रयास किया।, लेकिन सूचना मिलते ही स्टेशन अधीक्षक कुलदीप कुमार त्यागी ने ट्रेन की बिजली आपूर्ति कटवाई और ट्रेन रोककर सवारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

10:10 पर आग बुझाने के बाद गाड़ी को एक बार फिर से चेक करने के बाद 10:55 पर दिल्ली के लिए रवाना किया गया। स्टेशन अधीक्षक के अनुसार ईएमयू गाड़ी संख्या 0 947 में करीब 300 यात्री सवार थे। ईएमयू प्लेटफार्म दो पर खड़ी थी, नए एफओबी पर पुताई का काम चल रहा है। पेंट का एक डिब्बा ईएमयू की छत पर गिरा, जिससे पेंट में आग लग गई थी।

आग देखकर यात्रियों में भगदड़ मच गई थी जिसके बाद दमकल की टीम ने तुरंत आग पर काबू पा लिया हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। इस घटना के चलते रेलवे ट्रैक डेढ़ घंटे तक बाधित रहा। दिल्ली से सहारनपुर के बीच। चलने वाली यात्री गाड़ी और दिल्ली से गाजियाबाद के बीच संचालित ईएमयू ट्रेन रेलवे ट्रैक पर खड़ी रही। आरपीएफ ने इस घटना की जांच शुरू करते हुए एफओबी पर पेंट कर रहे दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

इनसाइड

धरना दे रहे युवक पर पुलिसकर्मी ने चढ़ाई बाइक, पैर में आई चोट, वीडियो सोशल मीडिया में वायरल

गाजियाबाद। हादसा होने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए और पुलिसकर्मी का वीडियो बना लिया। पुलिसकर्मी मौके से फरार हो गया। नशे की हालत में उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में रोहित ने पुलिस से शिकायत की है। गाजियाबाद में कलक्ट्रेट के बाहर धरने पर बैठे विजयनगर के एक परिवार के सदस्य रोहित कुमार पर पुलिसकर्मी ने नशे की हालत में बाइक चढ़ा दी। हादसे में रोहित कुमार के पैर में चोट आई है। हादसा होने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए और पुलिसकर्मी का वीडियो बना लिया। पुलिसकर्मी मौके से फरार हो गया। नशे की हालत में उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में रोहित ने पुलिस से शिकायत की है। रोहित कुमार ने बताया कि पुलिसकर्मी वर्दी में था और उसकी नेमप्लेट पर रमेश लिखा हुआ था। उन्होंने उससे पूछा कि किस चौकी या थाने पर हो तो पुलिसकर्मी ने जवाब नहीं दिया और फरार हो गया। उसके पास उत्तराखंड नंबर की बाइक थी। पुलिसकर्मी से ठीक से खड़ा नहीं हुआ जा रहा था।

हुक्काबारों में धुआं हुई पुलिस की सख्ती, नियमों की लगातार उड़ रही धज्जियां

गाजियाबाद में नव वर्ष के जश्न में रेस्टोरेंटों और बार की आड़ में जमकर हुक्काबार चले। पुलिस की सख्ती और नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए उनमें देर रात तक ग्राहकों को हुक्का पिलाया गया। अधिक पैसे वसूले गए।

गाजियाबाद। नव वर्ष के जश्न में रेस्टोरेंटों और बार की आड़ में जमकर हुक्काबार चले। पुलिस की सख्ती और नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए उनमें देर रात तक ग्राहकों को हुक्का पिलाया गया। अधिक पैसे वसूले गए। पुलिस कार्रवाई और सोशल मीडिया पर हुक्काबार के वीडियो प्रसारित होने से इसकी पुष्टि हुई।

धुआं से गूंजा था कैसल कैफे

इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस ने एक जनवरी की रात करीब 10 बजे कोतवाली से चंद कदम की दूरी पर वसुंधरा सेक्टर-10 डी के मकान नंबर 135 में चलने वाले कैसल कैफे में छापा मारा। पुलिस के मुताबिक, अंदर चारों ओर धुआं ही धुआं था। काफी लोग हुक्का पी रहे थे। पुलिसकर्मियों को देखकर लोग धक्का-मुक्की करके भागने लगे।

पुलिस ने सात लोगों को पकड़ लिया है। उनकी पहचान पसौंड़ा के राज चौधरी, संजय कालोनी के आशू, सिहानी गेट के जतिन, राजेंद्र नगर सेक्टर-दो के मिथुन भूषण, मोहन मींकिंस सोसायटी वसुंधरा सेक्टर-पांच के कार्तिक सिंह, लाजपत नगर के नितिन शर्मा व पटेल नगर के आकाश प्रजापति के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि राज चौधरी कैफे की आड़ में हुक्काबार चला रहा था। पुलिस ने उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की।

पुलिस को चकमा देकर भाग गया मालिक

कौशांबी थाना पुलिस ने 30 दिसंबर को थाने के पास ही एंजल माल के द बंग बंग बार एंड रेस्टोरेंट में छापा मारा। चारों ओर धुआं फैला था। लोग हुक्का पी रहे थे। पुलिस को देखकर लोग भागने लगे। पुलिस ने नीलम विहार के सावन व अलीगढ़ के अरुण को पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला का चंदन हुक्काबार का मालिक व रविंद्र संचालक है। दोनों मौके से भाग गए हैं।

पुलिस कठघरे में

द बंग बंग बार एंड रेस्टोरेंट कौशांबी थाना के पास में एंजल माल में चलता है। कैसल कैफे इंदिरापुरम कोतवाली से चंद कदम की दूरी पर वसुंधरा सेक्टर-10 डी में चलता है। दोनों में पहले भी पुलिस ने छापामारी करके कार्रवाई की है। इनकी लगातार पुलिस अधिकारियों से शिकायत होती रहती है। कार्रवाई का इन पर असर नहीं पड़ता है। इससे लोग पुलिस को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं।

जमकर वसूले पैसे

इंटरनेट मीडिया पर हुक्काबार के दो वीडियो प्रसारित हुए हैं। दावा किया गया है कि दोनों वीडियो कौशांबी थाना क्षेत्र के एंजल माल में च ल ने वाले लिकर हाउस का एक जनवरी की रात का है। यह भी बताया गया है कि आमदिनों में भी यहां हुक्काबार चलता है। आमदिनों में एक हुक्का का 12 सौ रुपये वसूला जाता है। नव वर्ष पर दो से ढाई हजार रुपये तक वसूला गया।

रेस्टोरेंट, बार व कैफे की आड़ में चलने वाले हुक्काबारों को चिह्नित किया जा रहा है। कौशांबी व वसुंधरा में कार्रवाई भी हुई है। किसी भी कीमत पर क्षेत्र में हुक्काबार नहीं चलने दूंगी।

- डा. दीक्षा शर्मा, पुलिस उपायुक्त, ट्रांस हिंडन।

इन स्थानों पर चलते पाए जा चुके हैं हुक्काबार

- इंदिरापुरम कोतवाली से चंद कदम की दूरी पर वसुंधरा सेक्टर-10डी।
- इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के वसुंधरा सेक्टर-12, 13 व 15।
- कौशांबी थाना से चंद कदम की दूरी पर एंजल माल।
- इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के आदित्य माल।
- इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के न्याय खंड-तीन में शुक्र बाजार चौक।
- इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के न्याय खंड-दो में काला पत्थर।
- खोड़ा थाना क्षेत्र के वीरबल पुलिस चौके पास न्यू अजंता कालोनी।

राहुल का सुरक्षा घेरा टूटा, मुश्किल से

लोनी। सीलमपुर गोकुलपुरी से होकर लोनी पहुंची यात्रा में राहुल गांधी का सुरक्षा घेरा मंच के पास आने तक टूट गया। सुरक्षा कर्मी बामुशकिल उन्हें मंच तक ले गए। इससे पहले प्रशासन ने राहुल के सुरक्षा कर्मियों से बात कर व्यवस्था बनाई थी लेकिन व्यवस्था को समर्थकों की भीड़ ने ध्वस्त कर दिया। दिल्ली यूपी बॉर्डर पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के संबोधन के लिए एक मंच बनाया गया था। राहुल गांधी को मंच तक लाने की व्यवस्था पुलिस और प्रशासन ने की थी। पुलिस के जवान कार्यक्रम स्थल के बाहर गेट पर रस्सी पकड़े खड़े थे। करीब 12 बजे प्रियंका गांधी आई। प्रियंका गांधी मंच पर नहीं गई, वह राहुल का इंतजार करने लगी। करीब एक बजे राहुल गांधी यात्रा के साथ लोनी पहुंचे। राहुल के साथ उनके समर्थक भारी संख्या में थे। राहुल के चारों तरफ उनके सुरक्षा कर्मी थे लेकिन भीड़ के चलते राहुल गांधी फंस गए। किसी तरह वह कार्यक्रम स्थल के गेट तक पहुंचे। यहां उनके सुरक्षाकर्मी उन्हें भीड़ से बचाकर मंच की ओर ले गए। वहां प्रियंका गांधी उनके साथ मंच पर गईं। संबोधन के बाद दोनों साथ ही मंच से ट्रॉनिका सिटी लोनी की तरफ चल पड़े।

चलता रहा कारवा जुड़ते रहे लोग

राहुल और प्रियंका गांधी पहली बार लोनी पहुंचे थे। दोनों को देखने के लिए लोग सुबह से ही अपने घरों से बाहर सड़कों पर आ गए थे। दोनों को देखने के लिए महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग, नौजवान आए थे। सभी अपने फोन में राहुल और प्रियंका को कैद कर रहे थे। दिल्ली-सहारनपुर मार्ग के इस सात किमी की यात्रा में लोग उन पर फूलों की वर्षा करते रहे। जैसे-जैसे यात्रा आगे बढ़ रही थी, वैसे-वैसे लोग उनसे जुड़ते जा रहे थे। वह स्थानीय लोगों से भी मिलते हुए नजर आए। एक स्थान पर तो एक युवक के साथ वह तिरंगा फहराते नजर आए।

कंझावला के बाद नोएडा में नव वर्ष पर हुआ जोरदार एक्सीडेंट, युवक की मौत के बाद वाहन से घसीटने के लगे आरोप

दिल्ली के कंझावला हिट एंड रन मामले के बाद नोएडा में भी एक मामला सामने आया है जहां फेज सेक्टर-14 फ्लाईओवर के पास नए साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को सड़क हादसे में डिलीवरी ब्वॉय की मौत हो गई।

नोएडा। कंझावला हिट एंड रन मामले की तरह ही नोएडा में भी एक सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया है। फेज वन कोतवाली क्षेत्र स्थित सेक्टर-14 फ्लाईओवर के पास नए साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को सड़क हादसे में डिलीवरी ब्वॉय की मौत हो गई। इस मामले को लेकर मृतक के चचेरे भाई का आरोप है कि वाहन चालक शव को फ्लाइओवर से शनि मंदिर तक खींचता हुआ ले गया था।

सीसीटीवी फुटेज खंगालने की कोशिश में जुटी पुलिस

मामले को लेकर पुलिस छानबीन कर रही है। पुलिस घटनास्थल के आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। जानकारी के मुताबिक घटना रात करीब एक बजे की बताई जा रही है। इस घटना की जानकारी ओला चालक ने ही मृतक के भाई को दी थी। डिलीवरी ब्वॉय कौशल यादव का शव पुलिस को शनि मंदिर के पास लहूलुहान मिला था। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस भी दर्ज कर लिया है।

एम्स का डॉक्टर बन पैर के ऑपरेशन के नाम पर दिव्यांग से 50 हजार ठगे, दी जान से मारने की धमकी

नंदग्राम थाना क्षेत्र के राजनगर एक्सटेंशन के एक दिव्यांग से आरोपितों ने एम्स का डॉक्टर बनकर पैर के ऑपरेशन के नाम पर 50 हजार रुपये ठग लिए। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने आरोपितों का विरोध किया तो अरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

गाजियाबाद। नंदग्राम थाना क्षेत्र के राजनगर एक्सटेंशन के एक दिव्यांग से आरोपितों ने एम्स का डॉक्टर बनकर पैर के ऑपरेशन के नाम पर 50 हजार रुपये ठग लिए। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने आरोपितों का विरोध किया तो अरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस पर पीड़ित ने आरोपित, उसके बेटे व साथी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजनगर एक्सटेंशन की आफिसर सिटी के अनुज मित्तल सब्जी विक्रेता हैं। उनका कहना है कि उनका वर्ष 2010 में ट्रक से एक्सीडेंट हो गया था। इस हादसे में उनके पैर में गंभीर चोट आई थी और डाक्टरों ने पैर में राड डाली थी। हाल में ही उनकी मुलाकात मसूरी डासना के जाकिर से हुई।

फ्री में ऑपरेशन कराने का दिया झांसा

उन्होंने जाकिर से अपनी चोट के बारे में जिक्र किया और बताया कि पैर में अभी भी दर्द रहता है और डाक्टरों ने ऑपरेशन के लिए कहा है। जाकिर ने कहा की उनके एक जानकार डॉक्टर राहत अली दिल्ली एम्स में है और वह उनका ऑपरेशन एम्स में फ्री करा सकते हैं। उनके सहमत होने पर जाकिर उन्हें लेकर दिल्ली राहत अली के पास पहुंचा। जहां राहत अली ने कहा कि ऑपरेशन में पांच से छह लाख रुपये का खर्चा आएगा, अगर वह 50 हजार रुपये उन्हें दे तो ऑपरेशन मुफ्त में हो जाएगा।

रुपये लेने के बाद संपर्क बंद किया

इसके बाद उन्होंने जाकिर और राहत अली को 50 हजार रुपये उधार लेकर दिए। इसके बाद आरोपितों ने उनसे संपर्क करना बंद कर दिया। वह राहत अली के पास दिल्ली पहुंचे तो पता चला कि वह कोई डॉक्टर नहीं है और वह अपने बेटे मोहम्मद असलम के साथ मिलकर लोगों के साथ इस प्रकार की ठगी करता है। विरोध करने पर असलम ने उनके साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित का कहना है कि उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। बाद में उन्होंने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की तो पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। एसीपी नंदग्राम आलोक दुबे का कहना है कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इनसाइड

देश की सबसे सुरक्षित डीजल कारों की लिस्ट, सेफ्टी को लेकर मिले हैं 5 स्टार

ग्लोबल एन कैप गाड़ियों की क्रैश टेस्ट करके उसकी सेफ्टी रेटिंग देता है जिससे यह तय होता है कि गाड़ी सड़क पर चलते समय कितनी सेफ है। आइये जानते हैं उन गाड़ियों के बारे में जिसे ग्लोबल एन कैप सबसे सुरक्षित गाड़ी मानती है।

नई दिल्ली। जब भी आप अपने परिवार के लिए नई कार खरीदने जाएं तो सबसे पहले सेफ्टी फीचर्स के बारे में जरूर पता करें। इस समय देश में एक से बढ़कर एक सेफ्टी फीचर्स से लैस गाड़ियां उपलब्ध हैं। अगर आप डीजल गाड़ी लेने के बारे में सोच रहे हैं तो नीचे बताई गई गाड़ियों के बारे में एक बार जरूर पढ़ें। इन्हें ग्लोबल एनकैप द्वारा 5 स्टार रेटिंग दी गई है।

1. Tata Nexon

टाटा नेक्सन को भारतीय बाजार में काफी पसंद किया जाता है। यही वजह है कि ग्लोबल एनकैप ने इसे क्रैश टेस्ट रिपोर्ट में 5 स्टार रेटिंग मिली है। सब कॉम्पैक्ट एसयूवी में टाटा की एक अलग ही धाक है, वहीं सुरक्षा के मामलों में भी टाटा को टॉप पर रखा जाता है। अगर आप अपने परिवार के लिए टाटा की कार खरीदना चाहते हैं को टाटा नेक्सॉन आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। इस गाड़ी को एनकैप ने क्रैश टेस्ट रिपोर्ट में 5 स्टार रेटिंग दिया है। इसका मतलब यह है कि किसी भी हादसे के समय यह गाड़ी काफी हद तक आपको सेफ रख सकती है।

2. Tata Altroz

टाटा अल्ट्रोज भी भारत की सबसे सुरक्षित कारों की सूची में टॉप पर है। नेक्सॉन की तरह टाटा अल्ट्रोज को भी ग्लोबल एनकैप ने इसे 5 स्टार रेटिंग दी है। बेहद शानदार लुक के साथ आने वाली यह गाड़ी सेल्स के मामले में टाटा की बेस्ट कार है।

3.XUV 300

महिंद्रा XUV 300 को मजबूती के लिए जाना जाता है, इस एसयूवी को सेफ्टी के लिए 5 स्टार रेटिंग मिली है। Mahindra XUV300, GNCAP से 5-स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाली Mahindra की पहली सब-फोर-मीटर SUV है। अगर आप महिंद्रा की गाड़ी खरीदना चाहते हैं तो इसे आप बेस्ट ऑप्शन मान सकते हैं।

4. Mahindra XUV700

ग्लोबल NCAP क्रैश टेस्ट में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग हासिल करने वाली 5वीं भारतीय कार है। हालांकि, उपर बताई गई अन्य कारों की तुलना में इसकी कीमत अधिक है। लेकिन एडवांस टेक्नोलॉजी के मामले में अन्य कारों की तुलना में थोड़ी ज्यादा प्रीमियम है। इस गाड़ी की अधिक डिमांड होने के कारण इसका वेटिंग पीरियड भी काफी ज्यादा है।

5. Mahindra Marazzo

Mahindra Marazzo 1.5-लीटर टर्बोचार्ज्ड डीजल इंजन द्वारा संचालित है, जो 120 bhp की पॉवर और 300 Nm की पीक टार्क जेनरेट करने में सक्षम है। इसको 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है। Marazzo में डुअल फ्रंट एयरबैग, सभी 4 डिस्क ब्रेक, ISOFIX माउंट, TCS, EBD के साथ ABS और कई अन्य सुरक्षा सुविधाएं मिलती हैं।

मारुति ने अपनी कारों की बिक्री बढ़ाने के लिए बनाया ये जोरदार प्लान

मारुति सुजुकी देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनियों में से एक है। हाल में कंपनी ने अपनी बिक्री को बढ़ाने के लिए कामराजर पोर्ट के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। बता दें कि इस समझौते से मारुति विदेश में भी अपनी बिक्री को बढ़ा सकेगी।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनियों में से एक है। हाल में कंपनी ने अपनी बिक्री को बढ़ाने के लिए कामराजर पोर्ट के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। बता दें कि इस समझौते से मारुति विदेश में भी अपनी बिक्री को बढ़ा सकेगी।

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (Maruti Suzuki India Ltd) ने अपनी ग्लोबल पहुंच को बढ़ाने के लिए एक बड़ा फैसला किया है। कंपनी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने यात्री वाहनों के निर्यात के लिए उसने कामराजर पोर्ट लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। यह समझौता पांच साल के लिए किया गया है और इसके तहत बंदरगाह का इस्तेमाल लगभग 20,000 कारों के सालाना निर्यात के लिए किया जाएगा।

इन देशों में हो सकेगा निर्यात

मारुति सुजुकी ने बताया कि कामराजर पोर्ट के साथ हुए समझौते के कारण कंपनी अफ्रीका, मध्य पूर्व, लैटिन अमेरिका, आसियान, ओशिनिया और सार्क क्षेत्रों में आसानी से निर्यात करने में सक्षम हो जाएगी। इस पोर्ट के अलावा, कंपनी मुंबई पोर्ट, मुंद्रा पोर्ट और पीपावाव पोर्ट से भी निर्यात करती है। मारुति के मुताबिक, 2021-22 में कंपनी ने 100 से अधिक देशों में 2.38 लाख यूनिट से अधिक का निर्यात किया है जो कि कंपनी का अब तक का उच्चतम निर्यात है।

वर्तमान पोर्ट पर दबाव कम करने में मिलेगी मदद

निदेशक और सीईओ हिसाशी टेकुची ने कहा, ₹कामराजार पोर्ट से निर्यात की शुरुआत से हमें ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। यह पहल मुंबई पोर्ट, मुंद्रा पोर्ट और पिपावाव पोर्ट पर वर्तमान में पड़ने वाले दबाव को कम करने में भी मदद करेगी, जिसका इस्तेमाल कंपनी वर्तमान में वाहनों के निर्यात के लिए करती है।₹

उन्होंने आगे कहा कि कंपनी के निर्यात में विस्तार मारुति के वैश्विक ग्राहकों को विश्वसनीय, उच्च गुणवत्ता, तकनीकी रूप से उन्नत कारों की पेशकश करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मारुति के इस कार का होगा निर्यात

मारुति इस पोर्ट सेअपनी फेमस मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा का निर्यात करेगी। हालांकि, एसयूवी को निर्यात से पहले कई चरणों से गुजरना होगा। कर्नाटक में स्थित टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के बिदादी प्लांट से मारुति अपने ग्रैंड विटारा कार को कामराजर पोर्ट पर भेजेगी, जहां से इसे प्री-डिलीवरी इंस्पेक्शन सेंटर भेजा जाएगा और बाद में दूसरे देशों में निर्यात के लिए भेज दिया जाएगा।

Tata Safari, Harrier और Tigor जैसी गाड़ियों पर मिल रही बंपर छूट, हर खरीद पर बचा सकते हैं इतने रुपये

अगर इस महीने आप टाटा की गाड़ी खरीदने की सोच रहे हैं तो अभी ही खरीद लें। टाटा अपनी चुनिंदा गाड़ियों पर शानदार डिस्काउंट ऑफर दे रही है। इसके तहत ग्राहक हजारों रुपये की बचत कर सकते हैं।

नई दिल्ली। नए साल में टाटा अपनी गाड़ियों की खरीद पर शानदार डिस्काउंट दे रही है। इसमें टाटा हैरियर, टियागो, टिगोर और सफारी जैसी गाड़ियों को शामिल किया गया हैं। वहीं, इस डिस्काउंट ऑफर को कैश डिस्काउंट, एक्सचेंज बेनेफिट और कॉर्पोरेट डिस्काउंट के रूप में लिया जा सकता है। तो अगर आप भी एक नई टाटा की गाड़ी खरीदने का मन बना रहे हैं तो मिलने वाले इस ऑफर के बारे मे जान लें।

टाटा सफारी (Tata Safari)

जनवरी में टाटा सफारी में अधिकतम 65,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। इसके नए स्टॉक में 35,000 रुपये तक की बचत की जा सकती है। वहीं, पुराने स्टॉक में 65,000 रुपये तक के ऑफर है। सफारी में 2.0-लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जो 170hp की पॉवर के साथ आता है।

टाटा हैरियर (Tata Harrier)

इस महीने सबसे ज्यादा छूट वाली गाड़ियों में टाटा हैरियर का नाम आता है। इसकी खरीद पर आप 65,000 रुपये तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं, जिसमें 40,000 रुपये तक का एक्सचेंज डिस्काउंट शामिल है। इसके अलावा कंज्यूमर स्कीम के तहत 25,000 रुपये तक का लाभ भी उठाया जा सकता है।

टाटा टिगोर (Tata Tigor)

जनवरी महीने में टिगोर को 45,000 रुपये तक के डिस्काउंट ऑफर के साथ लिया जा सकता है। कंपनी ने इसके बाकी मॉडल्स में 20,000 रुपये तक के डिस्काउंट का ऐलान किया है। वहीं, इसके CNG वेरिएंट्स पर कुल 45,000 रुपये तक की छूट है। टिगोर पेट्रोल मॉडल पर 40,000 रुपये तक का डिस्काउंट है।

टाटा टियागो (Tata Tiago)

टाटा टियागो कंपनी की लोकप्रिय कम्पैक्ट कारों में से एक है। इसके सभी नए वेरिएंट पर 20,000 रुपये तक का लाभ मिल रहा है। वहीं, 2022 स्टॉक पर भी छूट दी जा रही है। पुराने स्टॉर्क पर ग्राहक 40,000 रुपये तक डिस्काउंट को ले सकते हैं।

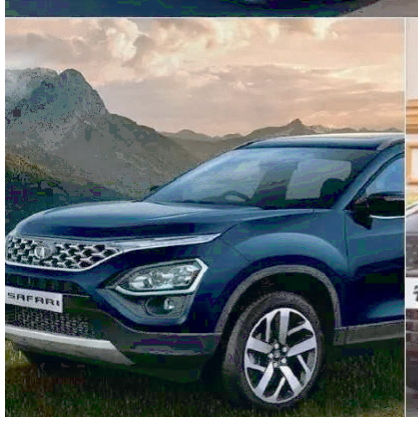

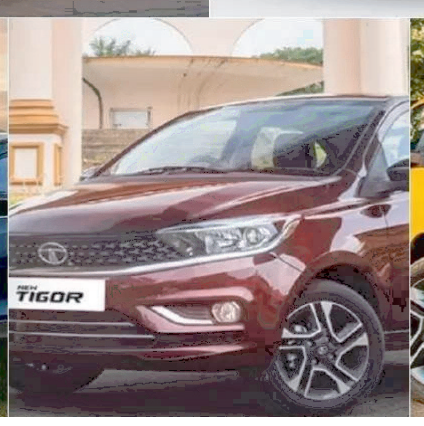

1.25 लाख रुपये कीमत और हीरो की ब्रांड वैल्यू... भारतीय बाजार में कितनी कामयाब होगी हीरो एक्सप्लस 200T 4V

Hero Xpulse 200T 4V भारतीय बाजार में Hero Xpulse 200T 4V लॉन्च हो चुकी है। कंपनी ने इसके लॉन्च के साथ अपने पोर्टफोलियो को अपडेट कर दिया है। आज हम आपको इससे जुड़ी खास बातों को बताने जा रहे हैं।

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प लोगों के दिलों पर कई सालों से राज कर रही है। भारतीय बाजार में हीरो मोटोकॉर्प ने Hero Xpulse 200T 4V को अपडेट कर दिया है। यह मोटरसाइकिल Xpulse 200 सीरीज का रोड-बायस्ड वर्जन है और इस तरह यह ऑफ-रोड वेरिएंट की तुलना में अलग हार्डवेयर से भी लैस है। आज हम आपको इस मोटरसाइकिल की हाइलाइट्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

Hero Xpulse 200T 4V में सबसे बड़ा अपडेट वाल्व सेटअप के रूप में लाया गया है। पिछले मॉडल के विपरीत नई Xpulse 200T 4V दो-वाल्व लेआउट के बजाय चार-वाल्व सेटअप के साथ आती है। इसे पांच स्पीड के गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। ये मोटरसाइकिल 199.6cc, सिंगल-सिलेंडर, ऑयल/एयर-कूल्ड, चार-वाल्व मोटर 8,500rpm पर 18.8bhp का अधिकतम आउटपुट और 6,500rpm पर 17.35Nm का पीक टॉर्क जनरेट करती है।

कलर और डिजाइन

कलर और डिजाइन की बात करें तो इसमें कुछ चीजें सामान्य ही है। नई Xpulse 200T 4V में एलईडी हेडलाइट के ऊपर एक नई, बॉडी-कलर्ड फ्लाई स्क्रीन, बॉडी कलर्ड फ्रंट फेंडर और गेटर फ्रंट फोर्क्स हैं। वहीं पीछे की तरफ रियर टेल रैक को हटा दिया गया है। Xpulse 200T 4V में एक ट्यूबलर ग्रैब रेल है। इसी बीच इसके डिजाइन में स्कूप्ड सीट और साइड पैनल को पिछले मॉडल की तरह बरकरार रखा गया है। इसमें आपको तीन कलर ऑप्शन स्पोर्ट्स रेड, मैट फंक लाइम येलो और मैट शील्ड गोल्ड मिलते हैं।

फीचर्स के तौर पर इस मोटरसाइकिल में एक एलईडी हेडलाइट, एलईडी टेललाइट, और कॉल अलर्ट और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन फंक्शन, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और एक साइड स्टैंड के साथ एक ब्लूटूथ-सक्षम एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर भी है।

कीमत

नई Hero Xpulse 200T 4V एक वेरिएंट और तीन कलर ऑप्शन में आती है। पेट के सभी ऑप्शन 1,25,726 रुपये में उपलब्ध हैं। इसकी तुलना में दो-वाल्व वेरिएंट 1,24,396 रुपये में बेचा गया था।

राष्ट्रवाद पर हावी होती सियासत

प्रताप सिंह पटियाल

स्मरण रहे हजारों वर्ष पुरानी गौरवशाली सभ्यता वाला भारत 'वसुधैव कुटुंबकम' जैसी आदर्श संस्कृति तथा राष्ट्र भक्ति के विचारों का वारिस रहा है। अतः सियासत का मकसद जो भी हो, मगर जहन में नजरिया राष्ट्र वाद का ही होना चाहिए। हिंद की सरजमीं को अपने रक्त से सींचकर गुलामी की दास्तां से मुक्त करके आजाद भारत का सपना साकार करने वाले नायकों का इतिहास पाठ्यक्रम में हो'

भारतीय सेना के कमांडर इन चीफ रहे फील्ड मार्शल 'सर फिलिप चेटवुड' ने 10 दिसंबर 1932 को देहरादून में 'भारतीय रक्षा अकादमी' की संगे बुनियाद के मौके पर वहां मौजूद सैन्य अधिकारियों व कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए कहा था कि 'हर बार और हमेशा देश की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण के लिए काम करना आपका पहला कत्र्तव्य है और खुद के आराम, सुख सुविधा व सुरक्षा का ख्याल अंत में होगा'। राष्ट्रवाद से सराबोर ये अल्फाज आईएमए के चेटवुड हाल की दीवार पर आज भी चस्पां हैं। चेटवुड के इन शब्दों की प्रेरणा भारतीय सेना के शौर्य में आज तक मौजूद है लेकिन सनातन संस्कृति के प्राचीनतम व मुकद्दस धर्मग्रंथ 'यजुर्वेद' के नौवें अध्याय में उल्लेख है कि 'वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहितः' अर्थात हम पुरोहित राष्ट्र को जीवंत और जाग्रत बनाए रखेंगे। जाहिर है भारत की संस्कृति व राष्ट्रीयता वैदिक काल से ही राष्ट्रवाद के विचारों से परिपूर्ण रही है। आजादी के बाद भारत का 75 वर्षों का सफर बेहद उपलब्धियों भरा रहा है। खिलाड़ी वैश्विक खेल पटल पर भारत का परचम लहरा रहे हैं। विश्व में हिंदोस्तान की सैन्य ताकत का रुतबा चौथी हैसियत का है। देश पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था में शुमार कर चुका है, मगर मुल्क में चर्चा का मरकज जाति व मजहब की सदारत ढूंढने में माहिर सियासत व सियासी रहनुमां ही रहते हैं। समाचार पत्रों से लेकर टीवी न्यूज चैनलों तक ज्यादातर सियासी सरगम की ही धुन सुनाई देती है। हरदम इक्तदार के लिए बेचैन रहने वाले सियासी हुक्मरानों के प्रति लोगों में अकीदतमंदी का आलम इस कदर हावी है कि कई मर्तबा सियासतदानों की तुलना भगवान से भी कर दी जाती है। इसे जम्हूरियत की खूबसूरती कहें या सियासत की खुसुशियत। जम्हूरियत के निजाम के लिए राजाओं ने राजपाट का त्याग कर दिया था, मगर चारण संस्कृति की झलक सियासत में भी देखने को मिल रही है। इसी कारण राजनीति राष्ट्रीय खेल का रूप ले चुकी है। लोग ज्यादातर सियासतदानों व सिल्वर स्क्रीन के अदाकारों को ही अपना आदर्श मानते हैं जबकि भारत का गौरवशाली इतिहास देश के लिए सरफरोशी की तमन्ना रखने वाले क्रांतिवीरों की दास्तान-ए-शुजात से भरा पड़ा है। राष्ट्रवाद के जज्बात ही राष्ट्र पर कुर्बानी का जज्बा पैदा करते हैं।

अंग्रेज हुकूमत से आजादी के बाद अखंड भारत के निर्माण के लिए देश की साढ़े पांच सौ से अधिक

रियासतों की स्वैच्छिक स्वीकृति राष्ट्रवाद की भावना थी। हिमाचल प्रदेश की राजपूत वर्चस्व वाली 30 रियासतों ने भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए त्याग व राष्ट्रवाद की नजीर पेश की थी। वो राष्ट्रवाद के ही जज्बात थे जब नूरपुर रियासत के वजीर राम सिंह पठानिया तथा कुल्लू के कंवर प्रताप सिंह जैसे शूरवीरों ने सशस्त्र बगावत को अंजाम देकर बर्तानियां सल्तनत के खिलाफ जंग-ए-आजादी का सफीना नसर कर दिया था। सन 1846 में हिमाचल की सरजमीं पर हुआ आजादी का वही शंखनाद भारत की स्वाधीनता यात्रा में अहम पड़ाव सिद्ध हुआ था। 14 वर्षीय बालक 'वीर हकीकत राय' ने सन 1734 में बसंत पंचमी के दिन धर्म व राष्ट्रवाद पर अडिग रहकर ही अपना बलिदान दिया था। अंग्रेजों से स्वतंत्र भारत का अरमान लेकर 18 वर्ष के इंकलाबी 'खुदीराम बोस' ने सन 1908 में तथा 19 वर्षीय 'करतार सिंह सराभा' ने सन 1915 में फांसी के फंदे चूम लिए थे। राष्ट्रवाद के जोश में देवरिया के 13 वर्षीय विद्यार्थी 'रामचंद्र' ने 14 अगस्त 1942 के दिन भारत माता की जय का उद्घोष करके देवरिया के कलैक्टर कार्यालय के ऊपर ब्रिटिश यूनियन जैक के झंडे को उतार कर वहां शान-ए-तिरंगा फहराकर अपना बलिदान दे दिया था। 29 मार्च 1857 के दिन बैरकपुर छावनी में राष्ट्रवादी तेवरों से प्रेरित होकर मंगल पांडे की बंदूक ने आग उगल कर फिरंगी अफसरों को लाशों में तब्दील कर दिया था। कर्नल 'क्रस्टाइज' की कमान में ब्रिटिश सेना ने उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के 'खजुहा' नामक स्थल पर 28 अप्रैल 1858 के दिन 'ठाकुर जोधा सिंह अटैया' को उनके 51 ठाकुर साथियों सहित हिरासत में लेकर इमली के पेड़ से फांसी पर लटका दिया था। इमली का वही पेड़ वर्तमान में 'बावनी इमली' शहीद स्मारक के रूप में विख्यात है।

मगर देश की आजादी के लिए जिंदगी का नजराना देने वाले सैंकड़ों राष्ट्रवादी योद्धा गुमनामी के अंधेरे में खोकर अपनी पहचान को मोहताज हैं। जलियांवाला बाग के नरसंहार के विरोध में नोबल पुरस्कार विजेता 'रविंद्रनाथ टैगोर' ने अंग्रेजों द्वारा दी गई 'नाईट हुड' की उपाधि बर्तानिया बादशाही को वापस लौटा कर राष्ट्रवाद का परिचय दिया था। सैंकड़ों वर्षों तक हिजरत का भयानक दौर झेलने वाले इजराइल के लोगों ने एकजुट होकर अपने मुल्क को एक बड़ी सैन्य कूवत में शुमार करके अपने प्रखर राष्ट्रवाद की अनूठी मिसाल कायम की है। देश के लिए सैन्य सेवा की अनिवार्यता ने इजरायल के राष्ट्रवाद को और मजबूत कर दिया है। दूसरी जंगे अजीम के दौरान एटम बमों के अजाब से तबाह हो चुका जापान राष्ट्रवाद के बल पर पुनः सशक्त बना है। दहशतगर्दी का मरकज पाकिस्तान तथा विस्तारवादी मंसूबों के नक्शेकदम पर चलने वाला शातिर चीन विश्व में केवल भारतीय थलसेना के पराक्रम से ही खौफजदा है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा यदि देश की सीमाओं पर पूरी शान से लहरा रहा है तथा हजारों फीट की बुलंदी पर सरहदों के प्रहरी हमारे सैनिक दुश्मन पर भारी पड़ रहे हैं तो ये सेना के राष्ट्रवाद की ताकत है। स्मरण रहे हजारों वर्ष पुरानी गौरवशाली सभ्यता वाला भारत 'वसुधैव कुटुंबकम' जैसी आदर्श संस्कृति तथा राष्ट्रभक्ति के विचारों का वारिस रहा है। अतः सियासत का मकसद जो भी हो, मगर जहन में नजरिया राष्ट्रवाद का ही होना चाहिए। हिंद की सरजमीं को अपने रक्त से सींचकर गुलामी की दास्तां से मुक्त करके आजाद भारत का सपना साकार करने वाले इंकलाब के गुमनाम नायकों व वीरांगनाओं का इतिहास शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल होना चाहिए ताकि वतन-ए-अजीज के लिए कुर्बानी का फलसफा जीवित रह सके। युवा वर्ग में 'राष्ट्र सर्वप्रथम व सर्वोपरि' की भावना जागृत करने की निहायत जरूरत है।

संपादक की कलम से

नोटबंदी संवैधानिक

सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने नोटबंदी के फैसले को 'संवैधानिक' करार दिया है। ऐसा केंद्र सरकार का संवैधानिक अधिकार भी है। नवम्बर, 2016 से पहले भी दो बार नोटबंदी लागू की गई थी। नोटबंदी एक आर्थिक फैसला था, जिसे न तो पलटा जा सकता है और न ही अदालत हस्तक्षेप कर सकती है। नोटबंदी केंद्र सरकार का मनमाना फैसला भी नहीं था। इस संबंध में सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के बीच छह माह तक विमर्श किया गया, जो रिकॉर्ड पर है। रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 26 (2) के तहत भी केंद्र सरकार को नोटबंदी का अधिकार स्पष्ट है। नोटबंदी का मकसद क्या था और उसे हासिल किया गया अथवा नहीं, इसका प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं है। यह संविधान पीठ के फैसले का सारांश है। बेशक पीठ ने 4-1 के बहुमत से नोटबंदी के पक्ष में फैसला सुनाया, लेकिन अब यही अंतिम और स्थायी संवैधानिक कानून माना जाएगा। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने बहुमत के फैसले पर असहमति जताई। उनकी टिप्पणी थी कि रिजर्व बैंक ने सरकार की इच्छा के अनुरूप काम किया। न तो नोटबंदी की राय दी और न ही सिफारिश की। फिर भी नोटबंदी कर दी गई, लिहाजा यह फैसला गैर-कानूनी है। जस्टिस नागरत्ना ने अपने फैसले में लिखा है कि नोटबंदी संसद में कानून पारित कर लागू की जानी चाहिए थी, न कि सिर्फ एक अधिसूचना जारी करके, लिहाजा नोटबंदी का कानून अवैध है। यह फैसला देते हुए संविधान पीठ ने अलग-अलग 58 याचिकाओं को खारिज कर दिया। बहरहाल अब बहसतलब मुद्दा यह हो सकता है कि नोटबंदी पर संविधान पीठ के इस फैसले के बाद विपक्ष और आलोचकों की बोलती बंद हो जानी चाहिए अथवा नहीं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता एक न्यायाधीश की असहमत टिप्पणी से ही चिपके हैं और नोटबंदी को अवैध, अनियमित करार दे रहे हैं। ऐसा स्पष्ट लग रहा है कि कांग्रेस को संविधान पीठ के बहुमती और विवेकपूर्ण फैसले और मान्य कानून से कोई सरोकार ही नहीं है। वे लगातार व्याख्या कर रहे हैं कि नोटबंदी ने देश की अर्थव्यवस्था को तबाह, बर्बाद, बेड़ागर्क और ध्वस्त कर दिया। यदि कांग्रेसियों को कुछ और पर्यायवाची शब्द याद होते, तो निश्चित रूप से उनका भी इस्तेमाल किया जाता। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी विदेश तक में नोटबंदी पर दुष्प्रचार करते रहे हैं और आज भी उनकी राजनीति का हिस्सा बनी है। अलबत्ता यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक स्थापित, तथ्यात्मक सत्य है कि भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी से ज्यादा विकास दर के साथ बढ़ रही है। दलीलें दी जा रही हैं कि यूपीए सरकार के दौरान 17 लाख करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा की नकदी चलन में थी और आज करीब 32 लाख करोड़ रुपए की नकदी मौजूद है, लिहाजा नोटबंदी नाकाम रही, क्योंकि नकद मुद्रा का चलन कम या सीमित नहीं किया जा सका। दरअसल ऐसी दलीलें देने वाले भूल जाते हैं कि देश की जीडीपी बढ़ रही है, लिहाजा मुद्रा का चलन बढऩा भी स्वाभाविक है। अलबत्ता पहले करीब 88 फीसदी लोग नकदी में लेन-देन करते थे, जो काफी घटकर 20-22 फीसदी तक लुढक़ आया है। साफ है कि लोगों ने डिजिटल लेन-देन को ग्रहण कर लिया है, नतीजतन नकदी चलन कम हुआ है। यदि आतंकवाद, नक्सलवाद, नकली नोट आदि प्रवृत्तियों को समाप्त करने और काले धन को जब्त करने पर विचार किया जाए, तो निश्चित तौर पर सभी की रीढ़ टूटी है। सरकार और एजेंसियों ने नेताओं, व्यापारियों और आईएएस अधिकारियों के परिसरों और अवैध ठिकानों से 'नोटों के रंग-बिरंगे पहाड़' जब्त किए हैं। यकीनन वह काला धन ही है। ऐसे सभी काले धनी जेल की सलाखों के पीछे हैं और अवैध नकदी सरकार के कब्जे में है। नवम्बर, 2016 में नोटबंदी के बाद उप्र में विधानसभा चुनाव हुए और 2019 में आम चुनाव कराए गए। दोनों में ही भाजपा को ऐतिहासिक, प्रचंड जीत हासिल हुई। राजनीतिक मुहर के बाद अब न्यायिक पुष्टि भी कर दी गई है।

05 जनवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज लियो कार्टर ने एक ओवर में छः छक्के लगाए। यह कीर्तिमान बनाकर विश्व के सातवें बल्लेबाज के रूप में उन्होंने क्रिकेट इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। कार्टर के अलावा अब तक वेस्टइंडीज के गैरी सोबर्स, भारत के रवि शास्त्री और युवराज सिंह, दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स, इंग्लैंड के रॉस विटाली और अफ़ग़ानिस्तान के हजरतुल्ला ज़ज़ई ने एक ओवर में छः छक्के लगाये हैं।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार ने 457 .468 बिलियन के उच्च स्तर को छुआ।

2014 – भारतीय संचार उपग्रह जीसैट-14 को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया गया। जीसैट -14 में भारत में निर्मित क्रायोजेनिक इंजन का इस्तेमाल हुआ था।

2010 – 'हरित राजस्थान अभियान' के तहत डूंगरपुर ज़िला प्रशासन द्वारा ज़िले भर में फैली बंजर पहाड़ियों की हरितिमा लौटाने के लिए 11 अगस्त व 12 अगस्त, 2009 को किए गए 6 लाख से अधिक पौधारोपण की मुहिम को 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में सम्मिलित कर लिया गया।

2009 – नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के ये मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

2008 – यूरोपीय संघ (ईयू) ने पाकिस्तान में चुनाव पर्यवेक्षण अभियान पूर्णरूप से शुरू किया।

उत्तर प्रदेश में वैट अध्यादेश लागू होने के आद 'उत्तर प्रदेश व्यापार कर एक्ट', 1948 समाप्त। 'भारतीय स्टील प्राधिकरण लिमिटेड' (सेल) के 'लौह एवं स्टील अनुसंधान एवं विकास केन्द्र' को वर्ष 2008 का 'गोल्डन पीकाक इनोवेटिव प्रोडक्ट्स सर्विस पुरस्कार' के लिए चुना गया।

पाकिस्तान के सूबा-ए-सरहद प्रान्त के गवर्नर ने अपने पद से इस्तीफ़ा दिया। यूरोपीय संघ (ईयू) ने पाकिस्तान में चुनाव पर्यवेक्षण अभियान पूर्णरूप से शुरू किया।

2007 – तंजानिया की विदेश मंत्री आशा रोज मिगरो संयुक्त राष्ट्र की उपमहासचिव नियुक्त।

2006 – भारत और नेपाल ने पारगमन संधि की अवधि को 3 महीने के लिए बढ़ाया।

2003 – अल्जीरिया में विद्रोहियों के हमले में 43 सैनिक मरे।

2002 – दक्षेस शिखर सम्मेलन काठमाण्डू में शुरू, उद्घाटन सत्र में पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ ने भारत के साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाया पर भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा- 'भरोसे के लायक़ नहीं।'

2000 – अंतर्राष्ट्रीय फ़ुटबाल एवं सांख्यिकी महासंघ ने 'पेले' को शताब्दी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया।

1999 – विक्टर जॉय वे पेरू के प्रधानमंत्री मनोनीत किये गए, आस्ट्रेलिया के कप्तान मार्क टेलर द्वारा 157 कैच पकड़कर विश्व रिकार्ड की स्थापना।

गॉड इन स्मार्ट शहर

यमराज के दरबार में लगे झूठ के स्वर्ण घंट अचानक ज़ोर से बजने लगे। उनींदे यमराज सोचने लगे, इतनी ज़ोर से झूठ के घंट तभी बजते हैं जब भारत में अख़बारें छपती हैं या कोई नेता भाषण देता है। अख़बारों के छपने का समय है नहीं, तो अवश्य विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का वैश्विक नेता भाषण दे रहा होगा। नवें दशक में ख़बरिया चैनलों के आने के बावजूद पिछले आठ सालों तक यह नौबत नहीं आई थी कि यमराज को अलग-अलग झूठ के लिए अलग-अलग घंट लगवाने पड़ते। लेकिन मीडिया के गोदी हो जाने के बाद अख़बारों और ख़बरिया चैनल के लिए अलग-अलग घंट लगवाने पड़े थे। न्याय के दर्पण में देखने पर उन्हें दिखा कि आठ साल पहले आर्यावर्त में मारी गई सौ स्मार्ट सिटी बनाने की गप्प को एक नेता किसी चुनावी रैली में दोहरा रहा था। यम को लगा कि इस बार सच्चाई स्वयं ढूँढ़ी जाए, क्योंकि लोग इतने बेवकूफ नहीं हो सकते कि निरन्तर झूठे वायदों के बावजूद किसी को जिताते रहें। लिहाज़ा उन्होंने स्वयं आर्यावर्त जाने का निर्णय लिया।

पर उन्हें ध्यान आया कि सच्चाई का पता लगाने के लिए उन्हें ऐसी जगहों पर जाने के लिए किसी मनुष्य के शरीर में प्रवेश करना पड़ेगा, जो देवताओं के लिए वर्जित हैं। उन्हें लगा कि इस काम के लिए शहर के सिरफिरे वाशिंदे हाजी क़ौल से बेहतर और कोई नहीं। अचानक यम के शरीर में प्रवेश करने से हाजी को शरीर में यकायक चुस्ती-फुर्ती का एहसास हुआ और वह जल्दी में घर से निकल लिए। उनका घर एक गाँव की उन अँधेरी गलियों में था जिसे नगर निगम बनाने की जद्दोजहद में शहर में शामिल किया गया था। शहर पहुँचने पर यम ने देखा कि हर दो सौ मीटर पर स्थापित लाखों के डस्टनबिन के टूटे हुए ढक्कनों से कूड़ा ऐसे फूट कर बाहर आ रहा था मानो किसी षोड़शी का यौवन नुमाईश को आतुर हो। सडक़ वन-वे होने के बावजूद गाडियाँ दोनों तरफ से आ-जा रही थीं। दुकानदारों ने सडक़ को अपनी जाग़ीर मानते हुए सामान बाहर तक फैलाया हुआ था। पैदल चलने वाले ख़ुदा से अपनी जान की ख़ैर माँगते हुए चल रहे थे। एक खड्ड की बाढ़ की ज़द में बने टापू पर पाँच मंज़िला खाली भवनों को देख कर आश्चर्यचकित हो, किसी से पूछने पता लगा कि ये भवन पाँच साल पहले आर्थिक रूप से कमज़ोर लोगों के लिए बनाए गए थे। यम सोचने लगे कि देश अब सचमुच अमीर हो गया है। कई जगह पर बने आड़े-तिरछे घरों-दुकानों के चलते सडक़ें फुटपाथ लग रही थीं। वह सोचने लगे कि इस बेतरतीब शहर के ये कूबड़ तभी ठीक हो पाएंगे जब ब्रह्मा सृष्टि की पुनः रचना करेंगे। कर्तव्य पथ पर चलते हुए उन्होंने देखा कि नगर निगम ने सडक़ के किनारे रिटेनिंग वॉल और ऊँची फेंसिंग लगाई है।

पर कई जगह हवा में लटकी रिटेनिंग वॉल के लिए भी रिटेनिंग वॉल की ज़रूरत है। पैसे कमाने के लिए यह काम उन ठेकेदारों को दिया जाता है जो सारी उम्र पुल या सडक़ें ठीक से नहीं बना पाते। जब बोरा सिलने वाले श्री-पीस सूट सिलेंगे तो ऐसा ही होगा, यह सोच कर उनके होठों पर तिरछी मुस्कान फैल गई। यम हैं तो भगवान, लेकिन अभी वह हाजी के शरीर में थे। घर से निकले तीन घंटे से अधिक हो चुके थे। इसलिए लघुशंका की तलब होने लगी। उन्हें ध्यान आया कि रास्ते में कहीं भी शौचालय नहीं है। कुछ देर तो जैस-तैसे निकाल ली। पर अब रुकना मुश्किल हो रहा था।

Haldwani Protest के स्वरूप ने साबित किया- 'शाहीन बाग' संयोग नहीं प्रयोग था जोकि दोहराया जा रहा है

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने 20 दिसंबर को हल्द्वानी में बनभूलपुरा में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण करके बनाए गए ढांचों को गिराने के आदेश दिए थे। न्यायालय ने कहा था कि अगर जरूरत पड़े तो जिला प्रशासन अतिक्रमण हटाने के लिए पैरा मिलिट्री फोर्स की मदद ले।

अवैध कॉलोनियों से जब भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है तो उसे सियासी लोग धार्मिक रंग देने का काम करते हैं। दिल्ली में पिछले साल एमसीडी का बुलडोजर शाहीन बाग समेत कई अन्य इलाकों में पहुँचा तो इस कार्रवाई को एक धर्म विशेष के लोगों के खिलाफ अभियान करार दिया गया। अब उत्तराखंड चर्चा में है क्योंकि हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के पास रेलवे की जमीन पर बनी अवैध कॉलोनी से कब्जा हटाने का जो आदेश उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने दिया है उसके खिलाफ सियासत शुरू हो गयी है। एकदम शाहीन बाग के आंदोलन की तर्ज पर महिलाओं और बच्चों को ठंड के मौसम में आगे कर प्रदर्शन करवाया जा रहा है, कैंडल मार्च निकाले जा रहे हैं। यहाँ हमें समझना होगा कि सरकारी जमीन सार्वजनिक संपत्ति होती है किसी एक की बपौती नहीं। सरकारी जमीन से कब्जा छुड़वाने के प्रयास को अन्याय का रूप देना गलत है। देश संविधान से चलता है ना कि भावनात्मक या धार्मिक आधार पर। अब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँच चुका है तो नेताओं को बड़बोले बयान देने की बजाय अदालत के आदेश का इंतजार करना चाहिए। वैसे हल्द्वानी में आंदोलन का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है उससे एक बात साबित हो गयी है कि शाहीन बाग कोई संयोग नहीं बल्कि प्रयोग था जोकि अब जगह-जगह दोहराया जा रहा है।

जहां तक हल्द्वानी मामले की बात है तो आपको बता दें कि अवैध कॉलोनी बताये जा रहे बनभूलपुरा के पांच हजार से ज्यादा घरों पर संकट मंडराने लगा है क्योंकि रेलवे ने अपनी जमीन पर कब्जा छुड़ाने के लिए जो याचिका दायर की थी उस पर सुनवाई के बाद उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने जमीन खाली कराने के निर्देश दिये हैं। इसके बाद सियासत ऐसी शुरू हो गयी है कि इस पहाड़ी राज्य के नेताओं से लेकर हैदराबाद के ओवैसी तक इस मामले में कूद गये हैं। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट भी पहुँच चुका है और पांच जनवरी को इस पर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका स्थानीय निवासियों के साथ हल्द्वानी के कांग्रेस विधायक ने दाखिल की है। उनके वकील सलमान खुर्शीद हैं। दूसरी याचिका वकील प्रशांत भूषण ने दाखिल की है। रेलवे की 29 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण हटाने के उत्तराखंड उच्च न्यायालय के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका पर प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एस.ए. नजीर और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा सुनवाई करेंगे।

हम आपको बता दें कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने 20 दिसंबर को हल्द्वानी में बनभूलपुरा में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण करके बनाए गए ढांचों को गिराने के आदेश दिए थे। न्यायालय ने कहा था कि अगर जरूरत पड़े तो जिला प्रशासन अतिक्रमण हटाने के लिए पैरा मिलिट्री फोर्स की मदद ले, फिर भी कोई दिक्कत हो तो बलपूर्वक कार्रवाई की जाए। इसके बाद जगह खाली करने के लिए स्थानीय समाचार पत्रों की मदद से नोटिस दिये गये। जिसके बाद हल्द्वानी से कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश के नेतृत्व में क्षेत्र के निवासियों ने उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। इलाके के लोगों का कहना है कि वे लोग इस क्षेत्र में 70 साल से रह रहे हैं। वहां 20 मस्जिदें, 9 मंदिर, पानी की टंकी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 1970 में डाली गई एक सीवर लाइन, दो इंटर कॉलेज और एक प्राथमिक विद्यालय है इसलिए यह क्षेत्र अवैध कब्जे वाला नहीं है। इलाके के लोगों का कहना है कि हम प्रधानमंत्री, रेल मंत्री और मुख्यमंत्री से अपील करते हैं कि वे इस तथा-कथित अतिक्रमण को हटाने पर मानवीय पहलू से विचार करें। इलाके के लोग सवाल उठा रहे हैं कि अगर यह रेलवे की जमीन थी तो सरकार ने इसे पट्टे पर कैसे दिया था? इस मामले में क्षेत्र के कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने कहा, "करीब सौ साल से इस क्षेत्र में लोग बसे हुए हैं। यहां 70 साल पुरानी मस्जिदें और मंदिर हैं। यहां नजूल जमीन, पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि और लीजधारक हैं।" उन्होंने कहा, "रेलवे जिस 78 एकड़ जमीन को अपना बताता है, उसे खाली करने का विरोध करने के लिए हम व्यक्तिगत रूप से उच्च न्यायालय गये। हम उच्चतम न्यायालय भी गये जहां हमारे वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद मामले की पैरवी कर रहे हैं लेकिन जिस सरकार ने जमीन पर स्कूल एवं अस्पताल बनवाये, उसने अपने नागरिकों की कोई परवाह नहीं की।"

कवि भाई और नव वर्ष के संकल्प

नए साल की आभासी शुभकामनाओं से मेरा मन भरा हो या न, पर मेल बॉक्स कमेटी वालों के डस्टबिन की तरह खचाखच भर गया है। शुभकामनाएं हैं कि मेल बॉक्स से बाहर निकल इधर उधर बिखर रही हैं मुहल्ले वालों के डस्टबिन में फेंके कचरे की तरह। ये आभासी शुभकामनाएं भी न! काश! नए साल के इस अवसर पर कहीं से दो चार अपने आ जाते तो नया साल यादगार बन जाता। इतनी शुभकामनाएं मिलने के बाद भी पता नहीं क्यों मन खाली खाली सा है। शुभकामनाओं से चौतरफा घिरे तब मैंने सोचा, क्यों न अपने पड़ोस के विस्थापित कवि को भी नए साल की शुभकामनाएं फेस टू फेस दे। आभासी में तो मैं आठ पहर चौबीस घंटे जीता ही रहता हूं। बेचारा नए साल के आरंभ में भी हा हू करने के बदले पता नहीं किस कविता से लड़.रहा होगा, भिड़ रहा होगा! आम आदमी और कवि में बस एक ही बेसिक फर्क होता है। आम आदमी रोटी से लड़ता भिड़ता है तो कवि कविता से। आम आदमी कपड़े से लड़ता भिड़ता है तो कवि कविता से। आम आदमी रोजगार से लड़ता भिड़ता है तो कवि कविता से। कवि के लिए रोटी कपड़ा मकान नहीं, कविता जरूरी होती है।

और मैं दबे पांव उसके कमरे में जा पहुंचा ताकि कविता से उसके लडने भिडने में खलल न पड़े। रोटी कपड़ा मकान से लड़ते भिड़ते आम आदमी तो बहुत देखा है, पर अब देख सकूं कि कविता से लड़ता भिड़ता हुआ कवि कैसा दिखता है? कवि के कमरे में पहुंचा तो उस वक्त वह कविता से नहीं लड़ भिड़ रहा था। कविता उससे लड़ भिड़ रही थी। यह देख कर भी अच्छा लगा कि चलो, दोनों में से कोई खाली हाथ तो नहीं बैठा है। वह मौन था। आंखें मूंदे। 'नव वर्ष मंगलमय हो कवि!' मैंने उसे नए साल की सच्ची की शुभकामनाएं देते कहा तो वह चौंका, 'कौन? श्रोता?' कवि ने मौन ही कहा तो मैंने कहा, नहीं! तुम्हारा पड़ोसी!' 'क्या मेरी कविता सुनने आए हो?' 'नहीं! तुम्हें नव वर्ष की शुभकनाएं देने आया हूं।

भगवान करे तुम नव वर्ष में कविता नहाओ, कहानी फलो! कबीर से लेकर दिनकर तक सब पर मजे से हाथ साफ करो। कविता के नाम पर

जितनी भी कर सको, उससे बीस कदम आगे की बकवास करो! कोई तुम्हारी काव्यात्मक चोरी अबके भी न पकड़ पाए। जिन जिन का तुम चोरी किया है, वे अबके भी मर जाएं पुलिस थाने में तुम्हारे अगेंस्ट एफआईआर लिखवाते लिखवाते, पर पुलिस वाले तुम्हारा बाल भी बांका न करें। तो नए साल में क्या रचनात्मक संकल्प लिए हैं तुमने?' मैंने पूछा तो कवि सगर्व बोला, 'अबके नए साल में मैं अपनी रचनाएं छपवाने को संपादकों के पीछे कतई नहीं दौड़ूंगा। केवल पुरस्कार के पीछे दौड़ूंगा। बहुत लिख लिया संपादकों के लिए। संपादकों को लिखने के चक्कर में पुरस्कार के लिए तो कभी लिख ही नहीं पाया। नए साल में मैंने संकल्प लिया है कि मैं भी मूर्धन्य रचनाकारों की तरह एक रचना दस दस जगह छपने भेजूंगा ताकि दो चार से तो पारिश्रमिक मिल गुजारा चल सके। नए साल में मैंने संकल्प लिया है कि इस साल में कविता से संबंध मधुर बनाने के बदले पुरस्कार देने वालों से संबंध मधुर करूंगा। अब मुझे पता चल गया है कि योग्यताओं के बूते नहीं, संबंधों के बूते यहां लंगड़े भी आसमान से चांद तोडक़र लाने की ताकत रखते हैं। इस साल मैंने संकल्प लिया है कि इस साल मैं किसी भी कवि पर हाथ साफ नहीं करूंगा। इस साल मैंने संकल्प लिया है कि इस साल मैं कविता के लिए नहीं, केवल और केवल पुरस्कार के लिए ही जिऊंगा। पुरस्कार ही ओढ़ूंगा, पुरस्कार ही खाऊंगा, पुरस्कार ही पिऊंगा।' कवि ने मुस्कुराते कहा और फिर सम्मानित होने के कार्यक्रम की रिहर्सल करने में मग्न हो गया।

अशोक गौतम

इनसाइड

इंडिगो विमान कोलकाता में लैंडिंग के दौरान क्षतिग्रस्त; प्लेन को ग्राउंडेड किया गया, जांच जारी

नई दिल्ली। नागर विमानन कंपनी इंडिगो ने कहा है कि दो जनवरी 2023 को A321 VT-ILR पर चलने वाली उड़ान 6E 114 की कोलकाता में लैंडिंग के दौरान टेल से कुछ टकरा गया है। मूल्यांकन और मरम्मत के लिए विमान को कोलकाता में ग्राउंडेड घोषित कर दिया गया है। घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

फेड के फैसले पर बाजार की नजर, सेंसेक्स-निफ्टी में सपाट ढंग से शुरू हुआ कारोबार

नई दिल्ली। बुधवार के कारोबारी सेशन में सेंसेक्स 61294 पर और निफ्टी 18230 अंकों के लेवल पर खुला। फेड के फैसले से पहले शुरुआती कारोबार में बाजार पर दबाव दिख रहा है। सेंसेक्स में 75 अंकों से अधिक की गिरावट आ गई है। दबाव के बावजूद इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, सनफार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और SBI, हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसे स्टॉक्स में मजबूती है। वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील, पावरग्रिड, इन्फोसिस और टाटा मोटर्स जैसे शेयरों में कमजोरी दिख रही है। डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे की मजबूती के साथ 82.84 के स्तर पर खुला। बुधवार को बाजार के शुरुआती ट्रेडिंग सेशन में डीमार्ट के शेयरों में 2% की गिरावट जबकि इंडसइंड के शेयरों में बढ़त दिख रही है। इससे पहले वैश्विक बाजार में डाओ जोन्स में 11 अंकों की मामूली कमजोरी दर्ज दिखी। एसएंडपी 500 में 0.40 फीसदी और टेक कंपनियों आधारित इंडेक्स Nasdaq में 0.76 फीसदी की गिरावट देखी गई। इस दौरान बाजार की नजर फेडरल रिजर्व की तरफ से जारी होने वाली मिनट्स पर बनी रही। उससे पहले निवेशक असमंजस में नजर आ रहे हैं। 2022 में अमेरिकी बाजार का प्रदर्शन 2008 के बाद सबसे कमजोर रहा। इसका सबसे बड़ा कारण फेडरल रिजर्व की तरफ से इंटरेस्ट रेट में बढ़ोतरी ही है। डॉलर इंडेक्स 104.36 पर है। क्रूड के भाव में चार फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह 82 डॉलर प्रति बैरल के नीचे लुढ़क गया।

बैंक घोटालों में RBI कर्मियों की संलिप्तता के दावे झूठे, केंद्रीय बैंक ने दाखिल किया हलफनामा

एनटीवी न्यूज

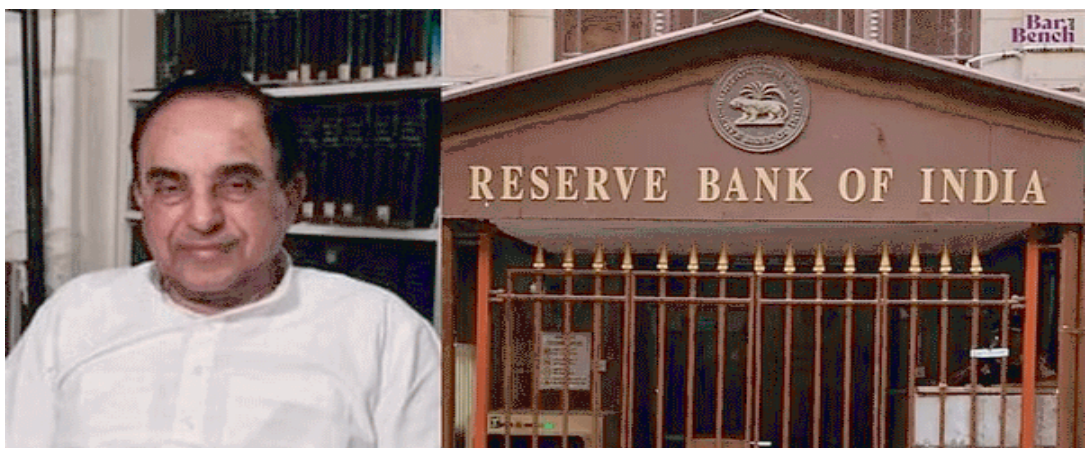

नई दिल्ली। आरबीआई ने शीर्ष अदालत में दायर एक हलफनामे में कहा, "इस संबंध में, यह निवेदन किया जाता है कि याचिकाकर्ता की ओर से घोटालों को आरबीआई अधिकारियों से जोड़ने की कोशिश करने वाले दावे याचिकाकर्ता की ओर से पेश किए गए किसी भी प्रथम दृष्टया साक्ष्य के अभाव में भ्रामक हैं और इसकी पुष्टि नहीं हुई है।"

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से विभिन्न बैंकिंग घोटालों में उसके अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच की मांग वाली याचिका में जो बातें हैं वे "भ्रामक और गैर-प्रमाणित" हैं।

आरबीआई ने न्यायालय से यह भी कहा कि उसके पास कर्मचारियों के आचरण की जांच के लिए आंतरिक तंत्र मौजूद है। स्वामी की याचिका खारिज करने की मांग करते हुए आरबीआई ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास याचिका दायर करने का कोई अधिकार नहीं है और यह तथ्यात्मक तथा कानूनी त्रुटियों से पूर्ण है।

आरबीआई ने शीर्ष अदालत में दायर एक हलफनामे में कहा, "इस संबंध में, यह निवेदन किया जाता है कि याचिकाकर्ता की ओर से घोटालों को आरबीआई अधिकारियों से जोड़ने की कोशिश करने वाले दावे याचिकाकर्ता की ओर से पेश किए गए किसी भी प्रथम दृष्टया साक्ष्य के अभाव में भ्रामक हैं और इसकी पुष्टि नहीं हुई है।"

इसमें कहा गया, "यह अनुरोध किया जाता है कि यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ कोई विशिष्ट आरोप है, या उसके कार्यों या चूक के संबंध में प्रथम दृष्टया सबूत हैं तो उसके आचरण की जांच करने के लिए आरबीआई के पास एक आंतरिक तंत्र/ढांचा है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में कोई सबूत या विशिष्ट आरोप प्रस्तुत नहीं किया है और प्रतिवादी संस्था के खिलाफ केवल अस्पष्ट और भ्रामक आरोप लगाए गए हैं।"

आरबीआई ने शीर्ष अदालत को बताया कि उसका एक केंद्रीय सतर्कता प्रकोष्ठ (सीवीसी) भी है, जो कर्मचारियों के आचरण की निगरानी करता है। विभिन्न बैंकिंग घोटालों में भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच की मांग करने वाली सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका के जवाब में केंद्रीय बैंक की ओर से यह हलफनामा दायर किया गया।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने बुधवार को सुनवाई के दौरान स्वामी को हलफनामे पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया। न्यायालय ने 17 अक्टूबर को स्वामी की याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आरबीआई को नोटिस जारी किये थे।

स्वामी ने आरोप लगाया है कि किंगफिशर, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और यस बैंक जैसी विभिन्न संस्थाओं से जुड़े घोटालों में आरबीआई अधिकारियों के शामिल होने की जांच नहीं की गई। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरबीआई के अधिकारियों ने भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, बैंकिंग विनियमन अधिनियम और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम सहित विभिन्न कानूनों का प्रत्यक्ष उल्लंघन करते हुए 'सक्रिय रूप से मिलीभगत' की।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की। इसमें अहमदाबाद के अतिरिक्त आयकर आयुक्त संतोष करनानी को अग्रिम जमानत देने वाले गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई है। करनानी को भ्रष्टाचार के मामले में आरोपित किया गया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया। इसके बाद पीठ ने मामले को सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच समझौते से दोनों देशों को लाभ, दो वर्षों में बढ़ेगा 100% रोजगार

नई दिल्ली। मुक्त व्यापार समझौते से ऑस्ट्रेलिया जाने वाले छात्रों और पेशेवरों के लिए भी अवसर बढ़ेंगे। ऑस्ट्रेलिया में निवेशकों और महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने वाली टेक कंपनियों के लिए काम करने वालों को चार साल तक का वीजा मिलेगा। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ फारेल एओ ने कहा है कि मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। इसे विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा है कि इस व्यापार समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करने वाले 96% भारतीय सामानों पर शुल्क को कम कर दिया गया है। इससे भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों देशों में रोजगार सृजन होगा। इसमें अगले दो वर्षों में रोजगार में 100% तक वृद्धि होगी। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ फारेल एओ के अनुसार मुक्त व्यापार समझौते से ऑस्ट्रेलिया जाने वाले छात्रों और पेशेवरों के लिए भी अवसर बढ़ेंगे। ऑस्ट्रेलिया में निवेशकों और महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने वाली टेक कंपनियों के लिए काम करने वालों को चार साल तक का वीजा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में योग्य शेफ और योग शिक्षकों के लिए ऑस्ट्रेलिया में बढ़ते महत्व को देखते हुए उनसे जुड़ी नौकरियों के लिए भी एक वर्ष में 1800 वीजा जारी किए जाएंगे।'

देश में ही बनेंगे मानवरहित विमानों के कलपुर्जे, जनरल एटॉमिक्स ने भारत फोर्ज से किया करार

एनटीवी न्यूज

नई दिल्ली। अमेरिका की शीर्ष ड्रोन निर्माता कंपनी जनरल एटॉमिक्स ने भारत में मानवरहित विमानों के लैंडिंग उपकरणों और कलपुर्जों के निर्माण के लिए भारत फोर्ज लिमिटेड के साथ करार की घोषणा की है।

इस कदम से भारत में अत्याधुनिक ड्रोन के निर्माण के लिए एक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में मदद मिलेगी।

जनरल एटॉमिक्स की एक सब्सिडियरी इकाई सैन डिएगो स्थित जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम (जीए-एएसआई) ने कहा है कि भारत फोर्ज लिमिटेड के साथ उसकी साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण क्षमता निर्माण में सहायक होगी। इससे भारत में मानवरहित विमान उद्योग को गति मिलेगी।

जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी विवेक लाल ने कहा, "जीए-एएसआई मानवरहित विमानों के कलपुर्जों के निर्माण के लिए भारत फोर्ज के साथ काम करने को लेकर उत्सुक है।"

कंपनी ने कहा है कि उच्च-प्रदर्शन वाले महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला के निर्माण में पांच दशकों से अधिक के अनुभव के साथ भारत फोर्ज उत्पादों की अवधारणा, डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग, निर्माण, परीक्षण और सत्यापन की क्षमता रखता है।

भारत फोर्ज लिमिटेड के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक बाबा कल्याणी ने कहा कि एयरोस्पेस एक 'गहन प्रौद्योगिकी' क्षेत्र है, जो उत्पाद की शुद्धता, विश्वसनीयता और उसके दोषरहित होने पर निर्भर करता है।' उन्होंने कहा, अपनी एयरोस्पेस विकास रणनीति के तहत हमने जीए-एएसआई के साथ साझेदारी की है।

गूगल 1337 करोड़ रुपये के जुर्माने का 10% जमा कराए, एनसीएलएटी ने दिए निर्देश

नई दिल्ली। NCLAT ने गूगल की याचिका को स्वीकार करते हुए उसे जुर्माने का 10% जमा करने को कहा। इस बीच ट्रिब्यूनल ने गूगल पर सीसीआई के दंड आदेश पर रोक लगाने से इंकार कर दिया।

एनसीएलएटी ने गूगल को सीसीआई की ओर से लगाए गए 1,337.76 करोड़ रुपये के जुर्माने का 10 प्रतिशत जमा करने का निर्देश दिया है। नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (NCLAT) एंड्रॉइड मोबाइल डिवाइस इकोसिस्टम में कथित उल्लंघनों के लिए CCI के 1337 करोड़ रुपये के जुर्माने को चुनौती देने वाली Google की याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। ट्रिब्यूनल ने सीसीआई को नोटिस जारी कर गूगल की याचिका पर जवाब मांगा है। NCLAT ने याचिका को स्वीकार करते हुए गूगल को बोनाफाइड दिखाने के लिए जुर्माने का 10% जमा करने को कहा। इस बीच ट्रिब्यूनल ने गूगल पर सीसीआई के दंड आदेश पर रोक लगाने से इंकार कर दिया।

एनसीएलएटी का यह निर्देश गूगल की ओर से दायर उस याचिका पर आया है। गूगल की ओर से एंड्रॉइड मोबाइल डिवाइस पारिस्थितिकी तंत्र में कई बाजारों में अपनी मजबूत स्थिति का दुरुपयोग करने के सीसीआई के आदेश को चुनौती दी गई थी। उस आदेश में कहा गया था कि यह फैसला भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए एक झटका है और देश में ऐसे उपकरणों को और अधिक महंगा बना देगा। पिछले साल 20 अक्टूबर को सीसीआई ने एंड्रायड मोबाइल उपकरणों के संबंध में प्रतिस्पर्धा रोधी गतिविधियों के लिए गूगल पर 1,337.76 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। अक्टूबर के फैसले में सीसीआई ने इंटरनेट कंपनी को विभिन्न अनुचित कारोबारी गतिविधियों से दूर रहने का भी आदेश दिया था। गूगल ने इसे एनसीएलएटी के समक्ष चुनौती दी थी, जो नियामक की ओर से जारी किए गए किसी भी निर्देश या निर्णय या पारित आदेश के खिलाफ एक अपीलीय प्राधिकरण है।

जब कर्मचारी की जान बचाने के लिए विमान उड़ाने के लिए तैयार हो गए रतन टाटा

अगस्त 2004 में पुणे में टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक प्रकाश एम तेलंग की तबीयत अचानक बिगड़ गई। डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत मुंबई एयरलिफ्ट करने की सलाह दी, पर रविवार का दिन होने के कारण डॉक्टर एयर एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं कर पा रहे थे। जब इस बारे में पुणे में ही मौजूद रतन टाटा को बताया गया तो वह कंपनी का प्लेन उड़ाने के के लिए तैयार हो गए।

हाल ही में 85 वां जन्मदिन मनाने वाले दिग्गज कारोबारी रतन टाटा अपनी सादगी के लिए रिटायरमेंट के बाद भी चर्चा में रहते हैं। रतन टाटा वर्ष 1991 में टाटा ग्रुप का चेयरमैन बनने के बाद वर्ष 2012 तक इस पद पर बने रहे। उनकी अगुवाई में टाटा समूह ने नई ऊंचाईयों को छुआ। रतन टाटा को लोग सिर्फ एक अच्छे उद्योगपति के तौर पर ही नहीं जानते बल्कि उनकी पहचान एक सौम्य और संवेदनशील इंसान की भी रही है। अपने उदारतापूर्ण व्यवहार के कारण टाटा समूह के कर्मचारियों के लिए भी वे बहुत खास थे। आइए जानते हैं रतन टाटा की उदारता से जुड़ा वह किस्सा जब कंपनी के एक कर्मचारी की जान बचाने के लिए वे खुद एक पायलट के तौर पर विमान उड़ाने के लिए तैयार हो गए। बता दें कि रतन टाटा दिग्गज कारोबारी होने के साथ-साथ लाइसेंसधारी पायलट भी हैं।

दरअसल, अगस्त 2004 में पुणे में टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक प्रकाश एम तेलंग की तबीयत अचानक बिगड़ गई। डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत मुंबई एयरलिफ्ट करने की सलाह दी, पर रविवार का दिन होने के कारण डॉक्टर एयर एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं कर पा रहे थे। जब इस बारे में पुणे में ही मौजूद रतन टाटा को बताया गया तो वह कंपनी का प्लेन उड़ाने के के लिए तैयार हो गए। हालांकि उसी दौरान एयर एंबुलेंस का प्रबंध हो गया और प्रकाश को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल पहुंचाया गया। रतन टाटा की इस दरियादिली की कहानी ग्रुप के तत्कालीन कर्मचारियों ने ने ही लोगों को बताई। बता दें टाटा मोटर्स के तत्कालीन एमडी प्रकाश एम तेलंग ग्रुप में 50 साल तक अपनी सेवाएं देने के बाद वर्ष 2012 में रिटायर हुए। इसी साल रतन टाटा ने भी रिटायरमेंट लिया था।

 # रतन टाटा को फाइटर प्लेन उड़ाने का भी अनुभव

रतन टाटा एक ट्रेंड लाइसेंसधारी पायलट हैं। उनके पास पास एक दसॉ फाल्कन 2000 प्राइवेट जेट भी है, जिसकी कीमत करीब 150 करोड़ रुपये है। उन्हें फाइटर प्लेन उड़ाने का भी अनुभव है।वर्ष 2011 में रतन टाटा ने बेंगलुरु एयरशो में बोइंग के F-18 सुपर हॉर्नेट विमान में उड़ान भरी थी। इस की तस्वीर उन्होंने 28 फरवरी, 2019 को अपने 82वें जन्मदिन के मौके पर सोशल मीडिया पर साझा किया था। रतन टाटा ने टाटा वर्ष 2007 में अमेरिकी लड़ाकू विमाना एफ-16 में भी उड़ान भरी थी। उस समय उनकी उम्र 69 साल थी।

सेवा क्षेत्र का विस्तार 10 महीने के उच्चतम स्तर पर, मांग में वृद्धि का मिला फायदा

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की सहायक निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, रदिसंबर में भारतीय सेवा गतिविधि में एक स्वागत योग्य विस्तार देखा गया, जो 2022 के अंत में मांग के लचीलेपन को रेखांकित करता है।

मजबूत मांग और अनुकूल बाजार परिस्थितियों के कारण भारतीय सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर दिसंबर में छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स नवंबर में 56.4 से बढ़कर दिसंबर में 58.5 हो गया, जो 2022 के मध्य के बाद से विस्तार की सबसे मजबूत दर को दर्शाता है। लगातार 17वें महीने यह आंकड़ा तटस्थ 50 की सीमा से ऊपर रहा। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है।

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की सहायक निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, रदिसंबर में भारतीय सेवा गतिविधि में एक स्वागत योग्य विस्तार देखा गया, जो 2022 के अंत में मांग के लचीलेपन को रेखांकित करता है।

लीमा ने आगे कहा कि रजैसे-जैसे हम 2023 में आगे बढंगे कंपनी उत्पादन के दृष्टिकोण से मजबूत आशावादी संकेत दे रहे हैं। करीब 31 प्रतिशत पैनलिस्टों ने उत्पादन में वृद्धि का अनुमान जताया है, जबकि केवल दो प्रतिशत ने संकुचन का अनुमान जताया है।

जेपी नड्डा की दरगाह यात्रा ने क्यों बढ़ाया महाराष्ट्र का सियासी पारा, कैसे ये बीजेपी के लिए साबित हो सकता है निर्णायक

एनटीवी न्यूज

नड्डा ने दिन की शुरुआत चंद्रपुर में काली मंदिर के दर्शन के साथ की करने के बाद पास के सैयद बेहबतुल्ला शाह दरगाह गए और वहां चादर चढ़ाई। चंद्रपुर के बाद भाजपा प्रमुख ने औरंगाबाद जाकर घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन किए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की महाराष्ट्र के चंद्रपुर शहर में एक दरगाह की यात्रा ने महा विकास अघडी (एमवीए) को निशाना साधने का एक अवसर दे दिया है। नड्डा विदर्भ क्षेत्र के चंद्रपुर शहर से एक आउटरीच पहल स्लोकसभा प्रवास योजनास का शुभारंभ करने के लिए एक दिवसीय दौरे पर थे। उन्होंने एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया और 2024 के लोकसभा चुनावों की तैयारियों की निगरानी करते हुए राज्य के नेताओं के साथ बातचीत की। नड्डा ने दिन की शुरुआत चंद्रपुर में काली मंदिर के दर्शन के साथ की करने के बाद पास के सैयद बेहबतुल्ला शाह दरगाह गए और वहां चादर चढ़ाई। चंद्रपुर के बाद भाजपा प्रमुख ने औरंगाबाद जाकर घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन किए।

पार्टी ने नड्डा की दो मंदिरों की यात्रा की तस्वीरें साझा कीं, लेकिन बीजेपी प्रमुख की दरगाह पर सजदा करने की तस्वीरें नहीं डालीं। यहां तक कि सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई चंद्रपुर यात्रा पर नड्डा की तस्वीरें भी दरगाह की यात्रा से लेकर शामिल नहीं थीं। नाम न छापने की शर्त पर इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए बीजेपी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि हम दरगाह पर नमाज अदा करने के खिलाफ नहीं हैं। अतीत में और अब भी कई नेता दरगाहों पर प्रार्थना करते हैं। लेकिन पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने स्वीकार किया कि वे नड्डा की दरगाह यात्रा को सार्वजनिक नहीं करना चाहते थे क्योंकि इसे आधिकारिक रूप से प्रचारित करने से उसके कोर हिंदू वोटबैंक पर असर पड़ सकता है।

दरगाह का दौरा ऐसे समय में हुआ है जब विभिन्न दक्षिणपंथी संगठन श्रद्धा वाकर मामले के मद्देनजर स्लव जिहादस के खिलाफ जिलों में एक आक्रामक अभियान चला रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जैसे संघ परिवार का हिस्सा हैं, और सकल हिंदू मंच और हिंदू जनजागृति मंच जैसे संगठनों ने मुंबई, अमरावती, धुले, पुणे, कोल्हापुर, नासिक, नागपुर, औरंगाबाद, और सोलापुर हाल के सप्ताहों में बड़ी रैलियां आयोजित की हैं। प्रदेश इकाई में उपाध्यक्ष पद पर काबिज बीजेपी

के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'जब हमने अयोध्या में राम मंदिर के लिए प्रचार किया तो हमें मुस्लिम विरोधी करार दिया गया। अब, जब हम 'लव जिहाद' जैसे मुद्दे उठाते हैं तो हम पर लोगों को विभाजित करने या अंतर-धार्मिक विवाह रोकने का आरोप लगाया जाता है। दुर्भाग्य से, जो लोग सवाल उठा रहे हैं, उन्होंने अंतर्धार्मिक विवाहों में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार के खिलाफ आवाज नहीं उठाई।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के एमएलसी अमोल मितकरी ने कहा, 'भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का दरगाह जाना भारतीय संविधान की जीत है। यह उस एमवीए की भी पुष्टि करता है जो धार्मिक विविधता और एकता में विश्वास करता है। लेकिन कट्टर हिंदुत्व के नाम पर भड़काए गए युवाओं को यह महसूस करना चाहिए कि कैसे उनके नेताओं ने निहित स्वार्थों के लिए उन्हें गुमराह किया। चंद्रपुर लोकसभा सीट भारत भर के उन 160 निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है, जिस पर वर्तमान में भाजपा का कब्जा नहीं है और वह 2024 के चुनावों में जीतना चाहती है। दरगाह जाने का नड्डा का निर्णय शायद इस तथ्य से प्रेरित था कि चंद्रपुर में मुस्लिम आबादी का एक बड़ा हिस्सा है जो चुनाव में निर्णायक साबित हो सकता है।

पंजाब और हरियाणा की बड़ी बैठक, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत भी रहे मौजूद

एनटीवी न्यूज

पंजाब के मुख्यमंत्री का कहना है कि उनके पास पानी नहीं है, पहले पानी का बंटवारा हो। खट्टर ने आगे कहा कि पानी के बंटवारे का काम ट्रिब्यूनल का है, उसके फैसले के अनुसार बांट लेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहला विषय है कि SYL बननी चाहिए।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सतलुज-यमुना लिंक नहर पर आज बड़ी बैठक की है। यह बैठक श्रम शक्ति भवन में हुई जिसमें केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे। बैठक के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि SYL मुद्दे में हम अभी तक निष्कर्ष पर नहीं बढ़ पाए हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री का कहना है कि उनके पास पानी नहीं है, पहले पानी का बंटवारा हो। खट्टर ने आगे कहा कि पानी के बंटवारे का काम ट्रिब्यूनल का है, उसके फैसले के अनुसार बांट लेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहला विषय है कि SYL बननी चाहिए। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आज SYL पर बात हुई थी। हम अपना सतलुज बचाना चाहते हैं। हमारे पास पानी नहीं है। उन्होंने कहा कि सतलुत नदी नहीं नाला बन गई है। इसे SYL नहीं YSL बना देना चाहिए और यमुना से सतलुज को पानी देना चाहिए। हम चाहते हैं हरियाणा को पानी मिले लेकिन वे गंगा या यमुना से ले लें। आपको बता दें कि दोनों राज्यों के बीच यह मुद्दा काफी लंबे समय से चलता रहा है। इसे सुलझाने की लगातार कोशिश की जा रही है। इस मुद्दे पर दोनों ही मुख्यमंत्रियों की यह दूसरी बैठक थी। इससे पहले 14 अक्टूबर को भी यह बैठक हो चुकी है। हालांकि तब यह बेनतीजा रहा था।

इनसाइड

गुजरात में इसुदान गढ़वी के हाथ में आप की कमान, गोपाल इटालिया को दी गई यह जिम्मेदारी

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन संदीप पाठक की ओर से एक अधिसूचना जारी की गई है। इसमें पार्टी के भीतर किए गए बदलाव की जानकारी है। गुजरात में इसुदान गढ़वी के साथ ही छह वर्किंग प्रेसिडेंट की भी नियुक्ति हुई है। आम आदमी पार्टी ने आज गुजरात को लेकर एक बड़ा बदलाव किया है। गुजरात में आप पार्टी का नेतृत्व इसुदान गढ़वी करेंगे। इसुदान गढ़वी को पार्टी की ओर से नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, अब तक इस जिम्मेदारी को संभाल रहे गोपाल इटालिया का भी प्रमोशन किया गया है। गोपाल इटालिया को अब राष्ट्रीय भूमिका में लाया गया है। उन्हें राष्ट्रीय संयुक्त सचिव के साथ-साथ महाराष्ट्र का प्रभारी भी बनाया गया है। आपको बता दें कि हाल में ही संपन्न हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने इसुदान गढ़वी को अपना मुख्यमंत्री का चेहरा बनाया था। हालांकि पार्टी को खास कामयाबी नहीं मिली और इसुदान गढ़वी भी चुनाव हार गए।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन संदीप पाठक की ओर से एक अधिसूचना जारी की गई है। इसमें पार्टी के भीतर किए गए बदलाव की जानकारी है। गुजरात में इसुदान गढ़वी के साथ ही छह वर्किंग प्रेसिडेंट की भी नियुक्ति हुई है। अल्पेश कथिरिया को सूरत जोन का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। रमेश पटेल नॉर्थ गुजरात जोन की कमान संभालेंगे। वहीं जेवल वसरा को मध्य गुजरात तथा कैलाश गढवी को कच्छ जोन का वर्किंग प्रेसिडेंट बनाया गया है। छैतर वसावा साउथ गुजरात की जिम्मेदारी संभालेंगे जबकि जगमाल वाला को सौराष्ट्र जून का वर्किंग प्रेसिडेंट बनाया गया है। गुजरात में हाल में ही हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 181 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे थे लेकिन पांच प्रत्याशी ही चुनाव जीत सकें।

आम आदमी पार्टी को गुजरात चुनाव में 13 फ़ीसदी वोट मिले थे। आम आदमी पार्टी की ओर से कई नेताओं ने पूरी ताकत लगाई थी। खुद अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जबरदस्त तरीके से प्रचार भी किया था। आम आदमी पार्टी के खाते में 13 फ़ीसदी वोट भी गया और वह तीसरी बड़ी ताकत बनकर उभरे भी है। फिलहाल आम आदमी पार्टी का पूरा फोकस 2024 लोकसभा चुनाव पर है। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर ही आम आदमी पार्टी संगठन में कई बड़े बदलाव कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का CM योगी ने किया स्वागत, जानें ट्वीट कर क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले से जुड़े दूसरे पक्षों को भी नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी से 3 हफ्तों के भीतर जवाब देने को भी कहा है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला योगी सरकार के लिए काफी राहत लेकर आया है।

उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव को लेकर सरगर्मियां लगातार जारी है। इस चुनाव से पहले ओबीसी आरक्षण का मुद्दा अब राजनीतिक रूप से काफी चर्चा का विषय बन चुका है। दरअसल, पूरा मामला तब उठा जब हाईकोर्ट ने 27 दिसंबर को राज्य सरकार द्वारा जारी की गई ओबीसी सूची को खारिज कर दिया था। उसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी और हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दिया था। सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल उत्तर प्रदेश के योगी सरकार को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले से जुड़े दूसरे पक्षों को भी नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी से 3 हफ्तों के भीतर जवाब देने को भी कहा है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला योगी सरकार के लिए काफी राहत लेकर आया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में योगी ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा उत्तर प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव के संबंध में दिए गए आदेश का हम स्वागत करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई समय सीमा के अंतर्गत ओबीसी आरक्षण लागू करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार निकाय चुनाव संपन्न कराने में सहयोग करेगी। वहीं, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नगर निकाय चुनाव में हाईकोर्ट के पिछड़ा वर्ग को आरक्षण के बिना चुनाव कराने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई है, रोक के आदेश का स्वागत करता हूँ! इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव जी एंड कंपनी जो स्वयं पिछड़ो के विरोधी हैं उनको करारा जबाब है। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण के बिना शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया गया था। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा की पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर संज्ञान लिया।

जन गणमन: पॉपुलेशन कंट्रोल बिल भारत के लिए क्यों जरूरी हो चला है? बता रहे हैं वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय

एनटीवी संवाददाता

जनसंख्या नियंत्रण कानून के मुद्दे पर प्रभासाक्षी ने वरिष्ठ अधिवक्ता और भारत के पीआईएल मैन के रूप में विख्यात अश्विनी उपाध्याय से बात की। उन्होंने कहा कि दुनिया की बढ़ती आबादी कई देशों के लिए तो खतरनाक सिद्ध हो ही रही है, वह भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है।

नमस्कार, प्रभासाक्षी न्यूज नेटवर्क के खास साप्ताहिक कार्यक्रम जन गण मन में आप सभी का स्वागत है। आज हम बात करेंगे भारत में जनसंख्या नियंत्रण कानून की बढ़ती आवश्यकता की। पिछले साल दुनिया की कुल आबादी 8 अरब से भी ज्यादा हो गई। देखा जाये तो पिछले 50 साल में दुनिया की जनसंख्या सर्वाधिक तेजी से बढ़ी है। जनसंख्या के मामले में एक समय चीन सबसे आगे था लेकिन भारत अब उसे पीछे छोड़ने वाला है। भारत में बढ़ती आबादी से संसाधनों पर बोझ बढ़ता जा रहा है। भारत में बढ़ती आबादी की उम्मीदें पूरी करने में सरकारों के पसीने छूट रहे हैं। नौकरी एक निकलती है लाखों आवेदन आ जाते हैं, अस्पताल में बेड दस हैं बीमार दस हजार आ जाते हैं, हर जगह सिर्फ लाइन ही लाइन नजर आती है। भारत में जनसंख्या को नियंत्रित करना बेहद जरूरी हो चला है लेकिन सरकार का रवैया जिस तरह का ढुलमुल नजर आ रहा है उसको देखते हुए लगता नहीं

कि यह कानून जल्द बनाया जा सकता है।

इस मुद्दे पर प्रभासाक्षी ने वरिष्ठ अधिवक्ता और भारत के पीआईएल मैन के रूप में विख्यात अश्विनी उपाध्याय से बात की। उन्होंने कहा कि दुनिया की बढ़ती आबादी कई देशों के लिए तो खतरनाक सिद्ध हो ही रही है, वह भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि यदि आपके देश की या परिवार की आबादी बढ़ती चली जाए और उसके साथ-साथ गरीबी और असमानता भी बढ़ती चली जाए तो वह समाज के लिए बोझ बन जाती है।

उन्होंने कहा कि जनसंख्या के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार को कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की आवश्यकता है और यदि कोई इस कानून को तोड़े तो उसे जेल में डालने की भी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दो से ज्यादा बच्चे वालों को चुनाव लड़ने पर रोक लगाने या इस तरह के प्रावधान लगाने से कोई लाभ नहीं होगा क्योंकि इस देश की पूरी जनता को तो चुनाव लड़ना नहीं है। उन्होंने कहा कि आबादी पर नियंत्रण होने से बहुत-सी समस्याओं का स्वतः समाधान हो जायेगा।

अमर दुबे की पत्नी खुशी को मिली जमानत, अखिलेश-प्रियंका ने ट्वीट कर भाजपा पर साधा

प्रियंका गांधी ने लिखा कि कानपुर की खुशी दुबे को उच्चतम न्यायालय से जमानत मिल गई। भाजपा सरकार द्वारा अपनी नाकामी पर पर्दा डालने के लिए उसे जेल में डालना और महीनों तक प्रताड़ित करना अन्याय की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि माननीय न्यायालय के इस फैसले से न्याय की जीत हुई है।

पुलिस ने दावा किया था कि विकास दुबे 10 जुलाई को उस वक्त एक मुठभेड़ में मारा गया था जब उसे उज्जैन से कानपुर ले जा रही पुलिस की एक गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी और उसने भागने की कोशिश की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने आज उत्तर प्रदेश में मारे गए गैंगस्टर विकास दुबे के करीबी सहयोगी अमर दुबे की पत्नी खुशी दुबे को जमानत दे दी। इस जमानत को लेकर अब राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। इस जमानत का स्वागत कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने किया है। खुशी दुबे को जमानत मिलने पर प्रियंका गांधी ने एक ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में प्रियंका गांधी ने लिखा कि कानपुर की खुशी दुबे को उच्चतम न्यायालय से जमानत मिल गई। भाजपा सरकार द्वारा अपनी नाकामी पर पर्दा डालने के लिए उसे जेल में डालना और महीनों तक प्रताड़ित करना अन्याय की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि माननीय न्यायालय के इस फैसले से न्याय की जीत हुई है।

वहीं, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी इस पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि खुशी दुबे की जमानत 'भाजपा के अन्याय और नारी उत्पीड़न' के दुष्प्रयासों की करारी हार है। उन्होंने कहा कि भाजपा याद रखे अंततः जीत न्याय की ही होती है; अहंकार की नहीं। आपको बता दें कि पूरा मामला जुलाई 2020 का है जब कानपुर के एक गांव में विकास दुबे को गिरफ्तार करने गए आठ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई थी। खुशी दुबे का पति अमर बाद में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। खुशी पर आरोप है कि उसने विकास दुबे को गिरफ्तार करने गये पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बारे में सह-आरोपियों को बताया था। पुलिसकर्मियों की मौजूदगी का पता चलने के कारण ही कथित तौर पर पुलिसवालों की जान गई। उस पर गैंगस्टर विकास दुबे के सशस्त्र सहयोगियों को पुलिसकर्मियों को मारने के लिए उकसाने का भी आरोप है।

खुशी दुबे के वकील ने कहा कि यह एक निर्दोष व्यक्ति के 'गलत समय पर गलत जगह' होने का मामला मात्र है, क्योंकि तीन जुलाई की घटना के सात दिन पहले ही उसकी शादी अमर दुबे से हुई थी। कानपुर के चौबेपुर क्षेत्र के बिकरू गांव में पुलिस उपाधीक्षक देवेंद्र मिश्रा सहित आठ पुलिसकर्मियों पर उस समय घात लगाकर हमला किया गया, जब वे विकास दुबे को गिरफ्तार करने जा रहे थे। ये पुलिसकर्मी तीन जुलाई, 2020 की आधी रात के बाद बिकरू गांव के घरों की छतों से चली गोलियों की चपेट में आ गए थे। पुलिस ने दावा किया था कि विकास दुबे 10 जुलाई को उस वक्त एक मुठभेड़ में मारा गया था जब उसे उज्जैन से कानपुर ले जा रही पुलिस की एक गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी और उसने भागने की कोशिश की थी। ख़ुशी दुबे के वकील तन्खा ने शीर्ष अदालत को बताया कि मामले में 100 से अधिक गवाहों की गवाही होनी है और उसके (खुशी के) खिलाफ आरोपों को ध्यान में रखते हुए जमानत देने के लिए यह एक उपयुक्त मामला है।